भीनमाल व मुंबई से एक साथ प्रकाशित एवं 14 राज्यों में प्रसारित होने वाला प्रवासी राजस्थानियों का राष्ट्रीय साप्ताहिक

www.marwarchetna.com

मारवाड़ चेतना

सम्पादक- कन्हैयालाल खण्डेलवाल

RNI NO. 54501/91 ❍ वर्ष-33 ❍ अंक: 8 ❍ भीनमाल, 25 से 31 जुलाई 2023 ❍ पृष्ठ: = 12 ❍ मूल्य 10 रूपये

खाने के तेल का जहरीला व्यापार और युवाओं की हृदयाघात से मौतें?

कोविड से पूर्व भी एक लेख में लिखा था की हमारे देश में खाने का तेल जहर का कार्य कर रहा है. किन्तु किसी ने ध्यान नही दिया.दिल्ली में तेल व्यापारी संघ के रास्ट्रीय पधाधिकारी से मुलाक़ात में उन्होंने बताया था की कुल खपत का 60 प्रतिशत हम आयात करते है. और इसमें अधिकाश पाम आईल है.

अशोक खंडेलवाल
चिकित्सा संसार उज्जैन

हमारा दुर्भाग्य है भोजन की विविध इंडस्ट्री बना भारत का आज अधिकाँश बच्चा पाम आइल का शिकार हो चुका है.

ईएमआरआई के नतीजे कहते हैं कि हार्ट अटैक से पीड़ित अधिकांश लोगों की उम्र 50 साल से कम है।

आपको जानकर हैरानी होगी कि इसका दोषी पाम ऑयल है। यह एल्कोहल और धूम्रपान को मिलाकर भी कहीं अधिक खतरनाक है।

भारत इस दुनिया में पाम तेल का सबसे अधिक आयातक है।

पाम तेल माफिया बहुत बड़ा है।

हमारे बच्चे, जो भविष्य हैं, एक बड़े ख़तरे में हैं।

हमारे देश में पाम ऑयल के बिना कोई फास्ट फूड नहीं मिलता.या यु कहे की बनाया ही नही जाता है क्योकि पाम में बने खाद्य की अवधि ज्यादा होती है.

किराने की दुकान पर जाकर बच्चों के लिए बिना पाम तेल का खाद्य पदार्थ लेने का प्रयास करते हैं - तो आप सफल नहीं होंगे। आपको यह जानने में दिलचस्पी होगी कि बड़ी कंपनियों के बिस्कुट भी इससे बनते हैं, और इसी तरह सभी चॉकलेट भी। ।

लेज़ जैसी बड़ी कंपनियाँ पश्चिमी देशों में अलग तेल और भारत में पाम तेल का उपयोग सिर्फ इसलिए करती हैं क्योंकि यह सस्ता है।

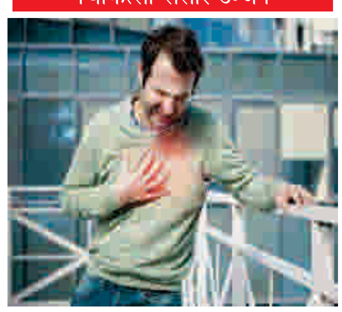

पीडियाट्रिक सर्जरी की डॉ भावना के एक लेख अनुसार

जब भी हमारा बच्चा पाम ऑयल युक्त उत्पाद खाता है, तो मस्तिष्क अनुचित व्यवहार करता है और हृदय के आसपास और आसपास वसा स्रावित करने का संकेत देता है इससे बहुत कम उम्र में मधुमेह हो जाता है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉर्म ने अनुमान लगाया है कि कम उम्र में मरने वाले 50 प्रतिशत लोग मधुमेह और हृदय रोग से मरेंगे।

पाम ऑयल माफिया ने हमारे बच्चों को दिल की सुरक्षा करने वाले फलों और सब्जियों को छोड़कर जंक फूड का आदी बना दिया है।

अगली बार जब आप अपने बच्चे के लिए कुछ खरीदें, तो उत्पाद का लेबल देखें। यदि इसमें पाम तेल या पामोलिएनिक तेल या पामिटिक एसिड है, तो इसे खरीदने से बचें!

कृपया हमारे बच्चों की रक्षा करें। वे हमारे देश का भविष्य हैं! कृपया इस संदेश को अग्रेषित करें.

समस्त माताओं और गृहणियो से अनुरोध

भोजन पकाने में तेल का प्रयोग कम से कम करे।

आप बगेर तेल के पानी में भी अनेक सब्जियां बना सकते है।

बाजार और होटलों में मिलने वाले समस्त नमकीन, खाद्य पदार्थ से बचे।

देवेंद्र जैन जीवदया रत्न अवार्ड से सम्मानित

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

राजकोट। गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल के कर कमलों से समर्पित जीवदया प्रेमी और समस्त महाजन के ट्रस्टी भीनमाल निवासी श्री देवेन्द्र जैन वापी को करुणा फाउंडेशन राजकोट के एक विशिष्ट समारोह में जीवदया रत्न अ वार्ड से सम्मानित किया गया।

ज्ञात रहे कि श्री जैन जीवदया, पर्यावरण , प्राकृतिक आपदा,शाकाहार आदि के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय संस्था समस्त महाजन के समर्पित सिपाही के रूप में पिछले कई दशकों से कार्य कर रहे है।

सिरोही नवीन मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण 27 जुलाई को

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

सिरोही। भारत के माननीय प्रधानमंत्री महोदय एवं राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा 27 जुलाई को नवीन मेडिकल कॉलेज , सिरोही का लोकार्पण किया जाना प्रस्तावित है। जिला कलक्टर डॉ भंवर लाल ने बताया कि 27 जुलाई को आयोजित होने वाले सिरोही नवीन मेडिकल कॉलेज लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर नोडल अधिकारी बनाया जाकर अन्य अधिकारियों को दायित्व सौपे गए है एवं संबंधित अधिकरियों को आवश्यक व्यवस्थाए सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

भामाशाह ने साढ़े 22 लाख खर्च करके बनाई अत्याधुनिक कम्प्यूटर लैब

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

हाडेचा। क्षेत्र के बिछावाड़ी गांव की सरकारी स्कूल में भामाशाह ने साढ़े 11 लाख रूपए खर्च करके स्कूल के लिए अत्याधुनिक कम्प्यूटर लैब बनाकर सुपुर्द की हैं। उसका लोकार्पण भामाशाह भंवरसिंह गोहित व उनके परिवार ने किया। लैब में भवन निर्माण, इंटरएक्टिव पैनल, 20 एलईडी कम्प्यूटर, फर्नीचर सहित समस्त प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाई है। इससे छात्रों को कम्प्यूटर सीखने में मदद मिलेगी। सांचौर सीबीईओ पूनमचंद विश्नोई ने कहा कि पिछले कुछ समय से सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने में नए आयाम स्थापित किए हैं। जन सहयोग से विद्यालय में बढ़-चढ़कर सहयोग के क्षेत्र में जिले के अग्रणी विद्यालयों की सूची में आता है।

प्रधानाचार्य बाबूलाल सियाग ने भामाशाह परिवार का आभार जताते हुए बताया कि लैब निर्माण से हमारे विद्यालय के बच्चे डिजिटल माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे व इंटरएक्टिव पैनल लगने से उच्च गुणवत्ता उच्च शिक्षा प्रदान की जा सकेगी। इस अवसर पर इन्द्रसिंह, जयदीपसिंह गोहिल, शैलेन्द्रसिंह, लक्ष्मणसिंह गोहिल, नारायणसिंह गोहिल, लाडूराम खीचड़, यूसीसीईओ सांचौर, रूडाराम ढाका प्रधानाचार्य, चेलाराम चौधरी उप प्रधानाचार्य, श्रवणकुमार खोखर, मनोहरलाल आरपी आदि मौजूद रहे।

पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज के शिविर में 102 युवाओं ने किया रक्तदान

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

भीनमाल। पीपाजी महाराज की 700वीं जयंति के उपलक्ष्य में श्री पीपा क्षत्रिय दर्जी युवा समाज द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन स्थानीय दर्जी समाज छात्रावास में किया। पूर्व विधायक डॉ. समरजीतसिंह राठौड़ ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा दान है जिससे लोगों को जीवनदान मिलता है। हर किसी को स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने रक्तदान शिविर आयोजित करने पर पीपा दर्जी समाज के लोगों को धन्यवाद दिया। गोविन्द सोलंकी नरसाना ने बताया कि 102 रक्तदान करने वाले युवाओं एवं भामाशाह का सम्मान किया। इस अवसर पर भरत पडियार, नरेश कुमार वणधर, हीरालाल, लाखाराम दहिया, हरीश भाटीप, कांतिलाल पडियार सहित कई समाजबंधु मौजूद रहे।

नरिंगाराम पटेल बने उदयपुर संभाग के किसान मोर्चा प्रभारी

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

भीनमाल। प्रदेश भाजपा द्वारा राज्य सरकार के विरूद्ध संचालित नहीं सहेगा राजस्थान अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा नेता नरिंगाराम पटेल निवासी निम्बावास को उदयपुर संभाग के किसान मोर्चा का प्रभारी बनाने पर कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर के निर्देशानुसार प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी, प्रदेश महामंत्री, संगठन चंद्रशेखर व जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली की अनुशंषा पर किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एवं अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के सक्रिय कार्यकर्ता निम्बावास निवासी नरिंगाराम पटेल को उदयपुर संभाग का प्रभारी मनोनीत किया गया। पटेल के मनोनयन पर भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की।

राव को दूसरी बार मिली भाजपा जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

भीनमाल। भाजपा के प्रदेश संगठन ने एक बार फिर श्रवणसिंह राव बोरली पर भरोसा जताते हुए दूसरी बार जालौर जिले की कमान सौंपी है। राव को लगातार दूसरी बार जिला अध्यक्ष बनाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह एवं जोश है। सोमवार को भाजपा जिलाध्यक्ष भीनमाल विधानसभा के पुनासा दूधेश्वर महादेव मठ में दर्शन के लिए पहुंचे तो जुंजाणी ग्रामीण मंडल के सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। राव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक-एक कार्यकर्ता सब जिलाध्यक्ष है। हम सब मिलकर के भाजपा को मजबूत बनाएंगे। राजस्थान में विधानसभा के चुनाव नजदीक हैं तो हम सब कार्यकर्ताओं को मिलकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत करने हैं। एवं भाजपा के पक्ष में मतदान कर भारी मतों से प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनानी है। इस दौरान भाजपा मण्डल महामंत्री मानाराम पालडि़या, महामंत्री सांवलाराम देवासी, उपाध्यक्ष कांतिलाल दर्जी, नरेश महेश्वरी, देवेन्द्र जोशी, लक्ष्मण चौधरी ,अर्जुन देवासी, पूर्व जिलापरिषद सदस्य दलाराम चौधरी, भाजयुमो अध्यक्ष खुमानसिंह राठौड़, चंदनसिंह राणावत निंबावास उपस्थित रहे।

भाजपा ने सांवलाराम देवासी को उदयपुर संभाग का सह-प्रभारी बनाया

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

भीनमाल। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी ने प्रदेश मंत्री सांवलाराम देवासी को उदयपुर संभाग का सह-प्रभारी बनाया।

भाजपा पार्टी द्वारा देवासी को लगातार पार्टी में आगे बढ़ाने के लिए एवं उनके कद को लेकर क्षेत्र व देवासी समाज में खुशी का माहौल है। सांवलाराम देवासी पूर्व में पालिकाध्यक्ष रह चुके है। प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी ने अपनी नई टीम में शामिल करते हुए प्रदेश मंत्री बनाया । साथ ही भाजपापार्टी द्वारा जारी हुई संभाग प्रभारी व सह-प्रभारी की सूची में उदयपुर संभाग के सह-प्रभारी के रूप नई जिम्मेदारी सोपी। सांवलाराम देवासी के बढ़ते कद को देखते हुए कार्यकर्ताओं ने बताया कि क्षेत्र की जनता देवासी को विधायक के रूप में देखना चाहती है। जनता ने स्थानीय नगर पालिका के कार्यकाल के दौरान हुए विकास कार्य को देखा है । जिसे देख आशा जगी है कि नगरपालिका की तरह विधान सभा का विकास हो सकता है।

देवासी लगातार भीनमाल विधानसभा में सक्रिय है।

रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी में जालोर जिले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

भीनमाल की महात्मा गांधी विद्यालय ने दिलाया यह स्थान

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

जालोर। जी-20 के तत्वावधान में भारतीय रिज़र्व बैंक, जयपुर द्वारा राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जालोर जिले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अग्रणी बैंक प्रबंधक तेजपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत को दिनांक 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता का स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ है। जी-20 के तत्वावधान में भारतीय रिज़र्व बैंक, जयपुर द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं में वित्तीय शिक्षा के बारे में जागरूकता सृजित करने के उद्देश्य से जालोर जिले के सरकारी स्कूलों के आठवीं से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए वित्तीय साक्षरता पर ब्लॉक स्तर पर 10 मई को तथा जिला स्तर पर 15 जून को अखिल भारतीय प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके उपरांत बुधवार को जयपुर स्थित निजी होटल में राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें जालोर जिले को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय क्विज में भीनमाल की महात्मा गांधी राजकीय माध्यमिक विद्यालय की अद्या वाजपेयी व कपील सुखाडिया की टीम ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। विजेताओं को रू 10 हजार की राशि पुरुस्कार स्वरूप उनके खाते मे प्रदान की जायेगी। जालोर की विजेता टीम भारतीय रिज़र्व बैंक की अंचल स्तर पर होने वाली प्रश्नोतरी मे राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी।

मनुष्य भव में ही सम्भव राग द्वेष की गांठों को खोलना-जिनमणिप्रभसूरिजी

चेन्नई (मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क)। श्री मुनिसुव्रत जिनकुशल जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री सुधर्मा वाटिका, गौतम किरण परिसर, वेपेरी में शासनोत्कर्ष वर्षावास में 1005वाँ खतरगच्छ दिवस गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वर म. के सान्निध्य में मनाया गया।

आचार्य श्री ने भगवान आदिनाथ से लेकर भगवान महावीर ने आध्यात्मिक धर्म का प्रारुपण किया। अभी महावीर का शासन निर्बाध चल रहा है। सुधर्मा स्वामी से यह परम्परा चल रही थी। पहले उस परम्परा का नाम निर्गंथ धर्म था। निर्गंथ यानि ग्रंथि रहित, कोई गांठ नहीं। हम गांठ खोलने के लिए ही तो साधु बने हैं। अन्तर की गांठें खोलने के लिए ही संयम के मार्ग पर आये हैं। चारित्र स्वीकार करने के पिछे एक ही लक्ष्य रहता है कि हमारे अंतर में जो राग द्वेष की गांठे है, कर्मों की गांठे, मोह ममता की, जो अनादि काल से मैं गांठें बांधता आ रहा हूँ, बांध रहा हूँ, उन गांठों को खोलना है।

राजस्थान प्रेस क्लब ने मनाई लोकमान्य तिलक की जयंती

- तिलक का व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी प्रेरणास्पद और प्रासंगिक-लिमए
- मीडिया बिना घोर अंधेरा-गुप्ता

मुंबई। आजादी के आंदोलन में भारतीय असंतोष के जनक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचार, उपदेश और वृति वर्तमान संदर्भ में भी पूरी तरह प्रासंगिक है। पत्रकारिता के माध्यम से आजादी की अलख जगाने वाले वे पहले पत्रकार थे जिन्हे अंग्रेज सरकार ने देशद्रोह का मुकदमा चलाकर सजा दी थी। कारवास के दौरान भगवत गीता पर उनकी लिखी गई पुस्तक गीता रहस्य एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण ग्रंथ के रूप में माना जाता है।

यह बात रविवार को लोकमान्य तिलक की जयंती पर वरिष्ठ पत्रकार मिलिंद लिमए ने राजस्थान प्रेस क्लब द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कही। उन्होंने लोकमान्य तिलक के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वाधीनता के आंदोलन में उनके द्वारा प्रारंभ किए गए अखबार को सीमित संसाधनों के बाद भी जबरदस्त प्रतिसाद मिला था और दस हजार से अधिक प्रतियां छपती थी। गोष्ठी के अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष महेश गुप्ता ने पत्रकारिता के सामाजिक योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि मीडिया बिना पूरा अंधेरा है।

राजस्थान प्रेस क्लब के अध्यक्ष कन्हैयालाल खंडेलवाल ने अथितियो का स्वागत करते हुए प्रवासी पत्रकारों की भूमिका और उपादेयता पर प्रकाश डाला। विशेष अथिति रघुनाथ सिंह सराना, वरिष्ठ मराठी पत्रकार रेखा जोशी, क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष कुमार महादेव व्यास, रेलवे पुलिस निरीक्षक डी पी सिंह, कोषाध्यक्ष दिनेश्वर माली, समाजसेवी देवीलाल पुरोहित ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सचिव व्यास कुमार रावल ने किया।

इस अवसर पर पत्रकार हरीश राजावत, ललित शक्ति, वर्षित रांका, जितेंद्रसिंह राठौड़, राहुल पारीक, भानु प्रजापति, विक्की खंडेलवाल, ज्ञानचंद सोमानी, मनीष सिंह, विनोद कुमार वर्मा, परमेंद्र सिंह, मोहनसिंह तंवर सहित कई लोग उपस्थित थे।

1. निम्न में से राज्य के किस शहर पर सूर्य की किरणें सबसे कम तिरछी पड़ती है ?
(A) उदयपुर (B) जयपुर
(C) अजमेर (D) डूंगरपुर

2. थार मरूस्थल की उत्पत्ति का सबसे प्रभावशाली कारण क्या है ?
(A) शुष्कता में वृद्धि (B) बालू निक्षेपों में वृद्धि
(C) भूगर्भिक हलचल (D) अत्यधिक खनन

3.अरावली पर्वतमाला के कौन-सा भाग में सर्वाधिक अन्तराल विद्यमान है ?
(A) दक्षिणी-पश्चिमी (B) दक्षिणी
(C) मध्यवर्ती (D) दक्षिणी-पूर्वी

4. राजस्थान राज्य की दक्षिणी-पश्चिमी सीमा निम्नलिखित किस राज्य से मिलती है ?
(A) महाराष्ट्र (B) गुजरात
© उत्तर प्रदेश (D) राजसमन्द

राजस्थान सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी

राजस्थानः स्थिति, विस्तार, भौतिक स्वरूप एवं आकृति

5. जरगा (अरावली) की तीसरी सर्वाधिक ऊँची चोटी किस जिले में है ?
(A) उदयपुर (B) चित्तौड़गढ़
(C) सिरोही (D) राजसमन्द

6. गुजरात राज्य के कितने जिले ऐसे है जिनकी सीमा राजस्थान से लगती है ?
(A) चार (B) पाँच
(C) छः (D) सात

7. निम्न में से कौन-सा पाकिस्तानी शहर भारत-पाकिस्तान अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के सर्वाधिक निकट है ?
(A) कराची (B) हैदराबाद
(C) लाहौर (D) मुल्तान

8. राज्य क उन जिलों की संख्या जिनकी सीमा न तो किसी राज्य से मिलती है और न किसी अन्य देश से (अन्तर्वर्ती जिले)।
(A) 5 (B) 6
(C) 7 (D) 8

9. राजस्थान के सर्वाधिक निकट स्थित बंदरगाह है
(A) तूतीकोरीन (B) काण्डला
(C) पारादीप (D) कोचीन

10. राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्र 'प्राक् ऐतिहासिक काल' के किस भाग का अवशेष है ?
(A) गोण्डवाना लैण्ड (B) अंगारा लैण्ड
(C) टेथिस सागर (D) न्यूफाउण्ड लैण्ड

उत्तर-1 (d), 2 (a), 3 (c),4 (b),5 (a),6 (b),7 (c),8 (d),9 (b),10 (c)

संसार में सबसे श्रेष्ठ होता है, वह साक्षात स्वयं परमात्मा होता है- समप्रिया दीदी

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

भीनमाल। शहर के नीम गोरिया क्षेत्रपाल मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के तहत चतुर्थ दिवस के दिन समप्रिया दीदी ने श्रीमद्भागवत महापुराण कथा में अनेक सिद्ध देवताओं, ऋषि-मुनियों के साथ-साथ विभिन्न राजाओं का वृतांत सुनाया। उन्होंने कथा में कहा कि भक्ति प्रहलाद की, ज्ञान गोरख नाथ का, कथनी कबीरजी की, तो रहनी दत्रातेय भगवान की, गति गरूड़ा की, इसी प्रकार जो संसार में सबसे श्रेष्ठ होता है, वह साक्षात स्वयं परमात्मा होता है। आज तो हम अंशी के होते है, लेकिन अंशी स्वयं तत्त्व लेकर धारण होता है, तो फिर उसका एक आनन्द ही निराला होता है। कथा में आगे दीदी ने सूर्यवंश का वर्णन करते हुए कहा महाराज खटवांग धर्मात्मा हुए एवं राजा भागीरथ जैस राजाओं ने तपस्या करके गंगा को धरती के ऊपर लाए, ऐसे महान राजा रघुवंश में राजा रघु हुए रघु ने गौ सेवा करके इस दुनिया को इस संसार के लिए बहुत सारे परोपकार के कार्य बताए।

कृष्ण जन्मोत्सव मनाया

कथा में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया। अग्रसेन के घर कंस उत्पन्न हुआ व कंस के विनाश के लिए भगवान इस धरती पर आए। इसीलिए भगवान मोर मुकुट बंशी वाले का यहाँ भागवत में आज प्राकट्य हुआ है। सभी धूमधाम से श्रोताओं ने झुमते हुए गाते हुए नाचते हुए झूम उठे। अगले दिन गोवर्धन पूजन एवं भगवान को छप्पन भोग लगाया। मंच संचालन मीठालाल जांगिड़ ने किया। इस मौके आरती, प्रसादी के चढ़ावे भी बोले गए जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

नून के मंदिर में चोरी वारदात का राजफाश

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

बागरा। थानाधिकारी मोहनलाल गर्ग के नेतृत्व में गठित टीम में एएसआई भूराराम मय जाब्ता ने नून के धारेश्वर मंदिर में हुई चोरी का राजफाश किया।

पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। नून के धारेश्वर महादेव मंदिर में 23 फरवरी की मध्य रात्रि को मंदिर का ताला तोड़कर मंदिर में से चांदी का नाग व झारी चोरी कर ले जाने के संबंध में थाना बागरा में प्रकरण दर्ज हुआ था। इस प्रकरण में आरोपी लोकेश कुमार पुत्र ओमप्रकाश जाति बैरवा व जितेन्द्र कुमार पुत्र जयलाल जाति मीणा निवासीया बैरोज पुलिस थाना टोडा भीम करोली को गिरफ्तार किया जाकर पूछताछ की गई तो चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर माल बरामदगी के प्रयास किए जा रहे है।

राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल का होगा गठन

- केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की तर्ज पर गठन
- तीनों बटालियन में 3072 नवीन पदों का होगा सृजन
- आवश्यक सुविधाओं के लिए 21 करोड़ रुपए स्वीकृत

जयपुर। प्रदेश की औद्योगिक इकाईयों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल का गठन होगा। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल में तीन बटालियन गठित की जाएगी। इन बटालियन का मुख्यालय भिवाड़ी, चित्तौड़गढ़ एवं बालोतरा में होगा। इनका गठन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की तर्ज पर होगा।

बटालियन के जिले और पंजीकृत इकाईयां

भिवाड़ी बटालियन के कार्यक्षेत्र में जयपुर, अजमेर, सीकर, अलवर, झुंझुनूं, भरतपुर, दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर जिले हैं। इनमें 381694 पंजीकृत उद्यम/इकाईयां है। चित्तौड़गढ़ बटालियन में भीलवाड़ा, उदयपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़ राजसमंद, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बारां, बूंदी जिले की 239339 पंजीकृत इकाईयां है। वहीं, बालोतरा बटालियन में जोधपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, पाली, हनुमानगढ़, बाड़मेर, नागौर, चूरू, जालोर, सिरोही और जैसलमेर जिले शामिल होंगे। इनमें 353528 पंजीकृत इकाईयां है।

21 करो रुपए की भी वित्तीय स्वीकृति

श्री गहलोत ने बटालियन्स को विभिन्न वाहन, फर्नीचर इत्यादि एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगभग 21 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। इस स्वीकृति से प्रदेश की औद्योगिक इकाईयों को सहज एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाई जा सकेगी। इससे प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि श्री गहलोत ने पूर्व में राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल के गठन के सम्बन्ध में घोषणा की थी।

बटालियनों में 3072 पदों का सृजन

श्री गहलोत ने तीनों बटालियन के लिए कुल 3072 नवीन पदों के सृजन को स्वीकृति दी है। इनमें प्रति बटालियन कमाण्डेंट, डिप्टी कमाण्डेंट का एक-एक पद, सहायक कमाण्डेंट के 10, कम्पनी कमाण्डेंट के 9 पद, प्लाटून कमाण्डर के 45 पद, हैड कॉनिस्टेबल के 200 और कॉनिस्टेबल के 734 पद, सहायक लेखाधिकारी, कनिष्ठ लेखाकार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सूचना सहायक, चिकित्सक, नर्स का एक-एक पद, वरिष्ठ सहायक, चपरासी के दो-दो पद, कनिष्ठ सहायक के चार पद, कुक के 10 पद स्वीकृत किए गए है।

राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा प्रदेश में अल्पसंख्यक वर्ग के जैन समुदाय की संस्कृति, धार्मिक सम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण, जैन आचार्यों-संतों की सुरक्षा एवं चर्या के संरक्षण के लिए राजस्थान सरकार के मुखिया अशोक गहलोत ने राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन कर अल्पसंख्यक वर्ग के जैन समुदाय को अनूठी सौगात दी है।

जिससे समुदाय के श्रमण वर्ग ही नहीं अपितु समुदाय का युवा वर्ग एवं समाज श्रेष्ठियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है द्य सम्पूर्ण जैन समुदाय ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया द्य राजस्थान समग्र जैन युवा परिषद् इसके संदर्भ में मुख्यमंत्री से विगत दो वर्षो से अधिक समय से यह मांग कर रही था।

हितेश खण्डेलवाल दिनेश खण्डेलवाल
ASHIRWAD Flex Banner
आशीर्वाद फ्लैक्स बैनर
डिजाईन
प्रिण्टींग
पेस्टींग
दुकान नं. 05, खेतावत मार्केट, रोड़वेज बस स्टेण्ड के पीछे, भीनमाल (जालोर)
9413854449 8306557546
hitkhandelwal@gmail.com

मारवाड़ चेतना बिजनेस कनेक्ट
आपके व्यापार अथवा पेशेवर सेवाओं को विस्तार देने और अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए मारवाड़ चेतना के इस बिजनेस कनेक्ट पेज पर अत्यंत रियायती दर पर हम आपके विज्ञापन का प्रकाशन करेंगे। बिजिटिंग कार्ड साईज विज्ञापन का एक अंक का मात्र 600/- रुपये और वर्ष भर के 50 अंकों के लिए मात्र 15000/- रुपये की लागत रहेगी।
संपर्क करें - 9820738681

जन्म पत्रिका, वर वधू मिलान, विवाह, नक्षत्र शांति, अर्क विवाह, कुम्भ विवाह, वास्तु शान्ति, नवग्रह हवन, नवचण्डी यज्ञ, दुकान मुहूर्त आदि किसी भी कार्य के लिए द्वारिका, राष्ट्रीय वेद विश्व विद्यालय उज्जैन व सोमनाथ संस्कृत विश्व विद्यालय से अध्ययन कर लौटे
भीनमाल निवासी .
वैभव प्रवीण त्रिवेदी सामवेदी
(ज्योतिष, कर्मकांड व वास्तु विशेषज्ञ)
उपरोक्त सेवाओं के लिए अब मुंबई में उपलब्ध है
संपर्क - 8511005084
पता: ओरियन बिल्डिंग, रेलवे बेकरी के सामने, ग्रांट रोड़ पूर्व, मुंबई-400 007

MAHA RERA - A51900010691
मुंबई वडाला से चेंबूर तक के क्षेत्र में कोई भी रेजिडेंशियल या कॉमर्शियल प्रॉपर्टी खरीदने बेचने के लिए संपर्क करें।
Hiren Prajapati
91-9560316333 Ph.: 022-24035574
Shreenathji & Associates
Property Consultant: Residential & Commercial
Selling of Properties in Resale & New Projects
Head Office : Building No. M-10, 'B' Wing, Shop No. 3,Nisarg CHS., Pratiksha Nagar, Sion (E), Mumbai-400 022
Branch-1: Flat No. 2, Building No. 13, Shiv Prerna S.R.A., Behind Bussa Industrial Estate, Prabhadevi, Mumbai-400 022
Branch-2: Mamta Soc., Shop No. 9, Jerbai Wadia Road, Near Vithal Mandir, Sewree, Mumbai-400 015
Email: shreenathjiapc@gmail.com

मुंबई में किसी भी प्रकार के प्रिंटिंग कार्य यथा बुक, लेटरहेड, ब्राउचर्स, बैनर, डिजिटल बोर्ड, डायरेक्टरी आदि के लिए प्रतिष्ठित संस्थान
चेतना पब्लिकेशन
रवि खंडेलवाल - 9920902714

UMMEDMAL TILOKCHAND ZAVERI
GOVT. APPROVED VALUERS
A House of Exlusive Designer Jewellery
51, Dagina Bazar, Mumbadevi Road, Mumbai-02 Ph.: 2241 3333/4
BUREAU OF INDIAN STANDARDS HALLMARKED JEWELLERY
यू.टी. जवेरी
Huges Road
GOVT. APPROVED VALUERS
UTZ Diamond Jewellery-Gold Jadau Antique-Kundan Jewellery
www.utzaveri.com, Email: utzaveri.utz@gmail.com
शॉप नं. 11-ए, धरम पैलेस, ह्यूजीस रोड़, मुंबई 400 007
फोन नं. 23670869, 23610183, 23679575
UTZ
U. T. ZAVERI & SONS
UMMED JEWELLERS NX
EXCLUSIVE GOLD, DIAMOND & SOLITAIRE JEWELLERY
36, Dagina Bazar, Mumbadevi Road, Mumbai-400 002
+91 22 49763417 utzaverisons@gmail.com
Solitaire : Diamond Exporters, Importers & Manufacturer
एई-5010, ए-टॉवर, भारत डायमण्ड बौर्स, बान्द्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, बान्द्रा (पूर्व), मुंबई-400 051 फोन: 40040249 / 33923639 Qbc-3639
MAJOR CREDIT CARD ACCEPTE

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड
प्रधान कार्यालय-हरिदेव जोशी सर्किल के पास, जालोर- 343001 (राजस्थान)
Bank Helpline No. :- + 91-9079806434 Email ID:- headoffice@jalorebank.com | Bank Website: www.jalorebank.com

ऋण योजनाएँ
01. MSME Loan (Cash Credit / MT Loan)
02. केश क्रेडिट लिमिट योजना (Hypothecation of Good)
03. केश क्रेडिट लिमिट योजना (Mortgage of property)
04. अचल संपत्ति के विरूद्ध व्यक्तिगत ऋण (व्यवसाय हेतु) (LAP.M)
05. अचल संपत्ति के विरूद्ध व्यक्तिगत ऋण (LAP)
06. व्यक्तिगत ऋण योजना
07. भवन निर्माण ऋण योजना
08. होम टॉप अप योजना
09. वाहन ऋण योजना
10. "Nagrik Mitra" Loan Scheme

वित्तीय सुदृढ़ता
- 17500 हजार से अधिक अंशधारकों का मजबूत आधार।
- ग्राहकों के 33 वर्षों के विश्वास एवं अटूट सम्बन्धों के कारण सम्पूर्ण प्रदेश मे अग्रणी अरबन को-ऑप. बैंक के रूप में पहचान।
- 70,000 ग्राहकों का Customer Base
- RBI द्वारा निर्धारित "Financially Sound & Well Managed Bank" के समस्त मापदण्डों की पूर्णता।
- अन्तराष्ट्रीय स्तर पर FCBA अवार्डो द्वारा सम्मानित।
- बैंक का कुल व्यवसाय रू. 520 करोड़ के पार।
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात 21% से अधिक एवं लगातार लाभार्जन करने वाली बैंक।
- गत दो वर्षो से लगातार 10% की दर से लाभांश वितरण।
- शुद्ध एन.पी.ए. शून्य स्तर पर।
- बैंक में 5 लाख तक की जमाएँ DICGC योजना के अर्न्तगत सुरक्षित बीमा उपलब्ध।
- बैंक के शेयर होल्डर्स हेतु व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा।
- सम्पूर्ण देश में ATM नेटवर्क से जुड़ाव
- PMJJBY & PMSBY स्कीम के अर्न्तगत बीमा सुविधा उपलब्ध।

परमानन्द भट्ट — मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सीए मोहन पाराशर — अध्यक्ष
ललित कुमार दवे — उपाध्यक्ष
संचालक मण्डल सदस्यगण: दिनेश परमार, गणेश राम मीणा, गिरिश बंसल, श्री कनिष चौधरी, कान्तिलाल भण्डारी, मोहनलाल, मोहनलाल परमार, नम्रता जैथलिया, श्यामलाल बोहरा, उषा कुमावत
सहवृत संचालक सदस्यगण: हेमताराम प्रजापत, निखिल दवे

लाचारों, निराश्रितो का सही अर्थों में मायका है पुणे का मांझा घर फाउंडेशन

कन्हैयालाल खंडेलवाल

अज्ञानता कहे या संवेदनहीनता, स्वार्थ कहें या संकीर्ण सोच कि कुछ लोग इंसानियत को ही शर्मसार कर देते हैं। किसी-किसी के लिए खून का रिश्ता भी मायने नहीं रखता, प्रेम और प्यार क्या होता है उन्हें शायद मालूम नहीं। अपने ही माता-पिता, भाई-बहन या अन्य नजदीकी रिश्तेदार के साथ वे ऐसा सलूक करते हैं कि उन्हें अपनी बला टालने के लिए सड़क पर या रेलवे स्टेशन पर बेसहारा छोड़ने से भी कोई गुरेज नहीं होता। उनके लिए भले ही वो मरे, नरक सी यातना भोगे, भीख मांग कर जिन्दगी बिताए या कुछ भी हो, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। मनुष्यका चोला भले ही हो, लेकिन मनुष्यता पता नहीं कहाँ गायब हो जाती है।

दूसरी तरफ कुछ ऐसे भी लोग हैं, जो मानवता की सेवा को ही सच्चा कर्तव्य और धर्म मानते हैं। उनके लिए परिवार का मतलब केवल अपना परिवार नहीं होता बल्कि अपनों से ही सताए हुए सड़क या रेलवे स्टेशनों पर बेबसी की नरक सी जिन्दगी जीने को मजबूर लोगों के लिए भगवान का रुप बनकर उनकी सेवा चिकित्सा सुश्रुषा कर निराश जीवन में आशा की किरण बन जाते हैं।

आज ह मबात कर रहे हैं, एक ऐसे संस्थान की, एक ऐसे दम्पत्ति की जो सही अर्थों में मानवता के मसीहा बन गए हैं।

[1] रूमाली उम्र 78 वर्ष [बदला हुआ नाम]

लगभग साल भर पहले अपनी मां को बेटे और बहू ने पूना रेलवे स्टेशन पर यह कहकर छोड़ा कि आप यहां बैठो, हम कुछ देर में ही वापस आते है। बूढ़ी और बेबस लाचार माँ बैठी रही, घंटों बीत गए, भूख प्यास से व्याकुल हो गई लेकिन वे वापस नहीं आए। इसी तरह करीब पांच दिन हो गए, इस बीच किसी पुलिस वाले या कोई दयावान की नजर पड़ी होगी और उसे कुछ खाने पीने को शायद दिया होगा तो अलग बात है, बल्कि उसकी जर्जर हालत को देखकर रेलवे पुलिस ने माझा घर फाउंडेशन को फोन किया कि कोई बूढ़ी मां लाचार और बीमार हालत में है, आप इसे संभाले। फाउंडेशन की एंबुलेंस गई और उस मां को आश्रम तक ले आई। सप्ताह भर से खाना नही मिलने के कारण शरीर बहुत कमजोर हो चुका था। शीघ्र इलाज शुरू किया गया। आठ दस दिन बाद जब वह बात करने की स्थिति में आई तो बोली कि मेरा बेटा मुझे थोड़ी देर में आने का कहकर छोड़ कर चला गया था, लेकिन वापस आया ही नहीं। हां, उसे उसके बेटे के मोबाइल नंबर याद थे। आश्रम से उस मोबाइल नंबर पर फोन लगाया गया और कहा कि आपकी मां आपका इंतजार कर रही है, आप आइए। थोड़े समय बाद बेटा और बहू दोनो आए। आश्रम की संचालिका मीनाक्षी ने उनसे कहा कि कैसी भी हो, मां तो मां होती है, आपको इस तरह स्टेशन पर लावारिश हालात में छोड़ कर नही जाना चाहिए था। दोनो ने सारी बाते सुनी लेकिन बोले कुछ नही। इस बीच जब बहु टॉयलेट के लिए वाशरूम गई तो बेटे ने सारी वस्तु स्थिति बताते हुए कहा कि यदि मैं इसे अभी घर ले गया तो मेरी पत्नी उसे जहर देकर मार देगी। इसको यह एक पल भी नही सुहाती। अब मेरी मजबूरी यह है कि मेरे छोटे छोटे बच्चे है, इससे तलाक भी नही ले सकता। क्या करू। मीनाक्षी ने वस्तु स्थिति को भांपते हुए कहा कि कोई बात नही। हमारे यहां रहेगी।

साल भर से रूमाली देवी इसी आश्रम में शुकून भरी जिंदगी जी रही है। बेटा कभी कभी चोरी छिपे मां से मिलने आ जाता है।

[2] संगीता , उम्र 22, [बदला हुआ नाम]

सेरेब्रल पाल्सी नामक बीमारी से ग्रसित। अर्थात शरीर की पूरी मांसपेशियां जर्जर हालत में। घर में मां और बाप। बाप पियक्कड़। नशे की लत ने उसकी मानसिक स्थिति बदतर कर दी थी। मां जिंदा थी तब तो अपनी बेटी को किसी तरह संभाल लेती थी लेकिन मां के निधन के बाद नारायण गांव के कुछ समाज सेवको को संगीता की हालत से दया आनी लगी तो उन्होंने आश्रम को फोन

सेवा कार्य की मिशाल

मांझा घर फाउंडेशनयह कोई वृद्धाश्रम नही है बल्कि कष्ट भरा लाचार, लावारिश जीवन जीने को मजबूर लोगों का अपना घर है जहा उन्हें स्वच्छ आवास, धुले हुए बढ़िया कपड़े, इलाज, दवाइयां, स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही 24 घंटे देखभाल होती है।

डेढ़ साल से चल रहा है यह आश्रम

इस अग्रवाल दंपत्ति ने इस आश्रम की शुरुआत अपने ही संसाधनों से डेढ़ वर्ष पूर्व 6 मार्च 2022 को की थी। अब तक महिला और पुरुषों को मिलाकर कुल 440 लोगो को रेस्क्यू किया गया। 123 लोगो का इलाज सेवा आदि करके उनके परिवार से मिलाकर पुनर्वास करवाया गया ।27 का इस दौरान निधन हो गया। 70 को भरतपुर अपना घर आश्रम भेजा गया। वर्तमान में इस आश्रम में 79 महिलाए है। पूना एयरपोर्ट के पास चरहोली में गत वर्ष 15 मई को पुरुषों के लिए इसी प्रकार के आश्रम का शुभारंभ हुआ था। वर्तमान में वहा 113 पुरुष है। जिस बिल्डर ने उस आश्रम को बनाकर दिया था, अब वे ही उसे संचालित कर रहे है। हमारा कार्य थोड़ा सरल हो गया।

बड़ी है यह योजना

अग्रवाल दंपति का कहना है कि हमारे देश में जिस स्तर पर महिलाओं की दुर्दशा होती है, वे लिंग जन्य परिस्थितियों के कारण कष्ट भरा जीवन जीने के मजबूर होती है, उनके शिक्षण, प्रशिक्षण और इज्जत के साथ समाज में उनकी जीवन धारा बने, उसके लिए बड़ा आश्रम बनाने की योजना है। हमारी यह बातचीत चल ही रही थी कि उस बीच उनके पास मुंबई से विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता का फोन आया कि सड़क पर पाई गई दो महिलाओं को आपके यहां भेजा जा रहा है जो गर्भवती है।

किया। एंबुलेंस से उसे आश्रम लाया गया। अस्पताल में भर्ती करवाकर इलाज शुरू किया और ठीक होने पर पुन: आश्रम लाया गया। 9 माह हो गए। उसकी हालात में बहुत सुधार हो गया है। हाथ से खाना खिलाया जाता है, दिन में चार बार डायपर बदले जाते है और पूरी तरह सेवा श्रुशुषा होती है।

[3] जमना उम्र 24 वर्ष [बदला हुआ नाम]

कर्नाटक की अनाथ लड़की। मां बाप का देहांत हो गया तो दादी और पोती जीवन निर्वाह के लिए किसी तरह पूना स्टेशन पहुंची। भीख मांगकर कुछ समय तो गुजारा होता रहा लेकिन फिर दादी का भी देहांत हो गया तो जमना पूरी तरह अनाथ हो गई। डिप्रेशन में आ गई ।सुध बुध खो बैठी। नहाए हुए वर्ष बीत गए होंगे। माथे पर हजारों कीड़े और जूए जमा हो गई ।रेलवे पुलिस की सूचना पर माझा घर फाउंडेशन अपनी एंबुलेंस से उसे आश्रम ले आया। डॉक्टर ने चेक किया तो हिमोग्लोबिन 2.9 निकला। आश्रम द्वारा निजी अस्पताल में इलाज करवाकर वापस आश्रम लाया गया ।करीब 15 माह से वह काफी ठीक है। शरीर के घाव भी ठीक हो गए है। अब यह शांति से जिंदगी जी रही है।

[4] शांति उम्र 80 वर्ष। बदला हुआ नाम]

पता नही कितने समय से सड़क पर रहने और किसी तरह गुजारा करने को मजबूर ।चार माह पूर्व किसी समाज सेवक की सूचना पर आश्रम की एंबुलेंस से उसे लाया गया तो पता चला कि पति का देहांत होने के बाद अपनी बेटी के पास रह रही थी ।बेटी और दामाद ने उसके सारे गहने छीनकर घर से निकाल दिया था और सड़क पर रहने को मजबूर कर दिया था।

[5] शिल्पी उम्र 101 वर्ष [बदला हुआ नाम]

माझा घर फाउंडेशन की एंबुलेंस करीब 3 माह पूर्व पूना स्टेशन के पास लावारिश लाचार हालत में इसे आश्रम ले आयी ।पास में टूटे फूटे आधार कार्ड से उसकी उम्र 101 वर्ष की पता चली। अपने बारे में कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं। संभवत कुछ ऐसा घटित दर्द है जो बता नही पा रही है। आश्रम में सेवा सुश्रुषा इस तरह हुई कि अब वह धार्मिक साहित्य पढ़ती है।

[6] जिम्मी उम्र 60 वर्ष [बदला हुआ नाम]

केंसर से पीडति जिम्मी ने बेटी से दांत के इलाज के लिए दो सौ रुपए मांगे तो गुस्से से घर से निकाल दिया। नजदीक में किसी सब्जी के ठेले वाले के वहा शरण ली। करीब दस माह पूर्व समाज सेवको के फोन पर उसे आश्रम लाया गया। सेवा के साथ ही उसका उचित इलाज किया गया। आश्रम द्वारा बेटी और दामाद को कई बार फोन किया गया तो इस बार संभवत सद्बुद्धि आई और आश्रम से अपनी मां को वापस लेकर गए।

अपनो से ही सताई हुए चंद ये उन मां और बेटियो के उदाहरण है जो पुणे के हिंजेवाड़ी स्थित मांझा घर के नाम से संचालित सेवाश्रम में अब सुकून की जिंदगी जी रही है। यह माझा घर वृद्धाश्रम नही है बल्कि सड़क पर, रेलवे स्टेशनों आदि पर अपने ही परिजनों द्वारा भगवान के भरोसे छोड़ी गई उन अबलाओ की कहानी है ।

ऐसी सैंकड़ों माओ का सही अर्थों में मायका बन चुका है पुणे के हिंजेवाड़ी स्थित माझा घर फाउंडेशन। माझा मराठी शब्द है और हिंदी में इसका अर्थ होता है मेरा। यह कोई वृद्धाश्रम नही है बल्कि कष्ट भरा लाचार, लावारिश जीवन जीने को मजबूर लोगों का अपना घर है जहा उन्हें स्वच्छ आवास, धुले हुए बढ़िया कपड़े, इलाज, दवाइयां, स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही 24 घंटे देखभाल होती है।

पांच मंजिला किराए की बिल्डिंग में संचालित इस आश्रम में वैसे तो परिचारिकाओ, नर्सों, काउंसलर, रसोइया , एंबुलेंस ड्राइवर, वॉचमैन , ऑफिस कर्मचारी सहित पूरा और पर्याप्त 24 का स्टाफ है लेकिन उससे भी बढ़कर यह बात है कि इस आश्रम के कर्ता धर्ता संचालक श्री राजीव अग्रवाल और उनकी पत्नी मीनाक्षी अग्रवाल अपनी समर्पित सेवा, सक्रिय उपस्थिति और संरक्षक के रूप में ऐसी सैंकड़ों अबलाओं के लिए भगवान का रूप बनकर सामने आए है। इस दंपति के लिए यह एक तरह से अपना परिवार बन चुका है। यहा सभी को प्रभुजी कहकर ही संबोधित किया जाता है और पूरे परमात्म भाव से आश्रम संचालित होता है। यह अनुभव इस पंक्तियों के लेखक ने स्वयं वहा जाकर किया। यहां प्रयोग में आने वाली सभी वस्तुओं भले ही खाद्य सामग्री हो, कपड़े हो, डायपर हो, दवाइयां हो या अन्य सामान, गुणवत्ता में कोई कंप्रोमाइज नही किया जाता । मीनाक्षी स्वयं सभी महिलाओं की व्यक्तिगत देखभाल करती है।

मिशन है कृष्ण को समर्पित

ये अग्रवाल दंपत्ति पूरे अहंकार रहित होकर इस मिशन में लगे है। हर कार्य को कृष्ण को समर्पित करके अथवा उन्हीं का मानकर करते है। वे कहते है कि हम कोई उपकार नही कर रहे, हमको जो दर्द होता है, पीड़ा होती है समाज की इस दशा को देखकर, उसी दर्द को दूर करने के लिए हम यह कार्य कर रहे है।

अपना घर आश्रम से मिली प्रेरणा

एक बड़ी कंपनी में सीईओ के पद पर कार्यरत श्री राजीव अग्रवाल को लगा कि अब मैं न तो स्वयं के लिए कार्य करूंगा और न ही पैसे के लिए।इसी उधेड़बुन के चलते उन्हें कही से जानकारी मिली कि निराश्रितों का विश्व का सबसे बड़ा घर राजस्थान के भरतपुर में अपना घर नाम से देवतुल्य डॉ भारद्वाज दंपत्ति द्वारा संचालित होता है जहा करीब 5 हजार निराश्रित रहते है। वहा जाकर देखा तो इन्हे लगा कि कितनी बड़ी मानवता की सेवा हो रही है। उसी से प्रेरणा लेकर गत वर्ष पुणे में अपने ही साधनों और संसाधनों से माझा घर की स्थापना की । अब मित्रों, परिचितों और समाज का योगदान आना शुरू हुआ है।

साप्ताहिक
मारवाड़ चेतना
605, ओरियन बिल्डिंग, रेलवे बेकरी के सामने, ग्रांट रोड़ पूर्व, मुंबई-400 007
मोबाईल: 9820738681
marwarchetna01@gmail.com

भीनमाल कार्यालय
माघ कॉलोनी, भीनमाल-343029, जिला जालोर (राज.)
फोन: 02969-220344/221981

चेन्नई कार्यालय
40, ए ब्लॉक, पहला माला, शॉप नं. 1, केआरपीपीएस कॉम्पलेक्स, नाटू पिल्लाय कोईल स्ट्रीट, चेन्नई-01 फोन: 48617657

अहमदाबाद कार्यालय
ए-1 ब्लॉक, नं. 101, श्रीमद् इलीगेंस, सोमनाथ मंदिर के पास, सिद्धसिला विराट नगर रोड़ के सामने, निकोल, अहमदाबाद मो.80158 13751

हैदराबाद शाखा कार्यालय
महादेव ट्रेडिंग कं., 4-3-339/340, जी-18, नवकार कॉम्पलेक्स, गुजराती गली, कोटि, हैदराबाद

ब्यूरो

चेन्नई
महेन्द्रदास निम्बार्क : 09840939303
रमेश खण्डेलवाल : 09444135769

हैदराबाद
करना राम बग : 09951362740

अहमदाबाद
रणछोड़भाई पटेल : 09426573644
हस्तीमल रामावत : 08015813751

बैंगलोर
लेखराज जैन : 09342886975

बोरीवली
बाबूलाल भाटी : 9323564621

हमारे प्रसार सहयोगी

हैदराबाद
बेगम बाजार मोहनसिंह राजपुरोहित 09441583694
बेगम बाजार भवानीसिंह राजपु. 09014762209
कमलानगर शंकरसिंह राजपुरोहित 09494949921

मुंबई (महाराष्ट्र)
मुंबई
हरीश विश्नोई 09833248581
सीटी सेंटर
नानजी राजपुरोहित 09892452254
पुणे
जबराराम पुरोहित 09975461451
लातूर
पीराराम चौधरी 09975728444
सूरत
बलवंत टेलर 9867011040
बडौदा
रतनाराम देवासी 09428073043
बैंगलोर
उत्तमसिंह 09448735531
हॉस्पेट
श्याम वैष्णव 09900998053
मैंगलोर
मोडसिंह पुरोहित 09480363956
मदुराई
लक्ष्मण सेन, पांथेड़ी 09994324393
केरला
भावेश पटेल 09895278017
लालाराम चौधरी 09745722698
विशाखा पट्टनम
सांवलसिंह 09030406985
तेनाली
कांतिलाल जैन 09440736222
हुबली
रमेश पटेल 09740337821
गंगावटी
प्रकाश राजपुरोहित 09448652005

- मारवाड़ चेतना के ग्राहक बनने एवं विज्ञापन आदि का भुगतान MARWAR CHETNA के नाम से चेक/ड्राफ्ट अथवा मनीआर्डर द्वारा भिजवायें। यदि हमारे प्रतिनिधि को भुगतान करें तो रसीद अवश्य प्राप्त करें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक कन्हैयालाल खण्डेलवाल द्वारा मारवाड़ चेतना कार्यालय भीनमाल कॉलोनी, जिला जालोर, से प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट, जोधपुर से मुद्रित, फोन: 02979-220344 संपादक कन्हैयालाल खण्डेलवाल, उपसंपादक दिनेश खण्डेलवाल। मुंबई कार्यालय मुंबई ऑफिस: 605, ओरियन बिल्डिंग, रेलवे बेकरी के सामने, ग्रांट रोड़ पूर्व, मुंबई-400 007 मो.-9820738681 Visit Us : www.marwarchetna.com Email- marwarchetna01@gmail.com
ब्यूरो-वैभव पी. त्रिवेदी

मारवाड़ चेतना के संरक्षणगण

श्री सुखराज नाहर
मुंबई-भ्रीनमाल

संघवी श्री रमेश मुथा
चेन्नई-मांडवला

संघवी श्री सांकलचंद तातेड़
मुंबई-भीनमाल

श्री प्रकाश कानूगो
मुंबई-सांचौर

श्री अशोक जी. बोहरा
मुंबई-भन्दर

श्री राकेश मेहता
मुंबई-जोधपुर

श्री चुन्नीलाल संघवी
मुंबई-मालवाड़ा

संघवी श्री मोहनलाल जैन
मुंबई-बागरा

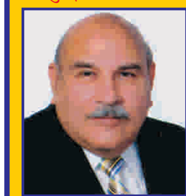
श्री रसिक भाई कोठारी
मुंबई-मंडार

श्री रतनसिंह राठौड़
मुंबई-तुरा

श्री जयंतिलाल चौहान
बैंगलोर-भीनमाल

श्री दिनेश सालेचा
मुंबई-भ्रीनमाल

श्री रमेश हरण
बैंगलोर-भीनमाल

श्री मांगीलाल रांका
मुंबई-भीनमाल

श्री नरसिंगमल जे. जैन
मुंबई-केरिया

संघवी श्री अशोक अरणाईया
मुंबई-हाड़ेचानगर

श्री जोगाराम चौधरी
भीनमाल

श्री देवेन्द्र जैन
वापी-भीनमाल

श्री अनिल टाणी
मुंबई-भीनमाल

श्री जोगसिंह राजपुरोहित
चेन्नई

श्री जैसाराम माली
चेन्नई

श्री अमर गहलोत
मुंबई-भीनमाल

श्री धींगड़मल पटवारी
चेन्नई

लघुकथा

बिटिया की रोटी

प्रहलाद श्रीमाली

'हूं! ये क्या खाने लायक रोटियां हैं? कोई कच्ची-अधकच्ची है, तो कोई जली हुई। आदमी क्या कोई कुत्ता भी नहीं खाएगा इन्हें!'... मां ने डपटते हुए कहा तो बेटी रूआंसी हो गई। सचमुच उसकी बनाई रोटियां थीं ही ऐसी। उसने मन ही मन ईमानदारी से कुबूल किया। खुद उसे ये रोटियां नहीं भाएंगीं। आखिर वह करे भी तो क्या। सुबह जल्दी कॉलेज जाना और आते ही, मां का बनाया कुछ खा-पीकर ट्यूशन पढ़ाने में जुट जाना। फिर अपनी पढ़ाई पर भी ध्यान देना। मां बार-बार कहती रहती है। और वह खुद भी चाहती है कि घर के कामकाज में मां का हाथ बंटाए। ढंग का खाना बनाना सीखे। लेकिन अक्सर उसे लगता है कि यह उसके बस की बात नहीं। वह ढंग की कविता-कहानी भले ही लिख डाले, किंतु मां जैसी रोटियां शायद ही कभी बना पाएगी।

आज फिर उसने मन मारकर मां के कहने पर चार-छह रोटियां बनाने की कोशिश की थी, और फिर वैसी रोटियां ही बना पाई। मां के शब्दों में कुत्ते के भी खाने लायक नहीं वाली। उसने सोचा-- इससे तो अच्छा होता कि वह कविता ही पूरी कर लेती, जो रोटियां बनाते वक्त दिमाग में घुमड़ रही थी और कबकी उड़ चुकी थी।

अब उसे चिंता हुई। बेचारी इन रोटियों का क्या होगा! उसे उन पर तरस आने लगा। क्यों न अब इन रोटियों पर ही एक कविता लिखी जाए! सोचते हुए वह पानी पीने रसोईघर में गई, तो देखकर चकित हो गई। मां बड़े चाव से उसकी बनाई रोटियां खा रही थी। वह चुपचाप चली आई और डायरी लिखने बैठ गई।

जीवन का मूल्य ढलती उम्र में पता चलता है

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, जीवन का सार समझ आने लगता है। मोबाईल का एक मैसेज 55 पार कर चुके लोगों के लिए-

समय रहते जीवन जीने की कला सीख लें तो उम्र के अंतिम पड़ाव में भी खुशहाल रहा जा सकता है।

इन्दु देवेन्द्र पोरवाल
भायंदर/जालोर

एक दोस्त से पूछा, जो 55 पार कर चुका है और 60 की ओर जा रहा है, वह अपने जीवन में किस तरह का बदलाव महसूस कर रहा है? उसने निम्नलिखित बहुत दिलचस्प बातें बताई-

➢ मेरे माता-पिता, मेरे भाई-बहन, मेरी पत्नी, मेरे बच्चों, मेरे दोस्तों से प्यार करने के बाद, अब मैं खुद से प्यार करने लगा हूं।

➢ मुझे बस एहसास हुआ कि मैं नहीं हूं। दुनिया मेरे कंधों पर नहीं टिकी है। मैंने अब सब्जियों और फलों के विक्रेताओं के साथ सौदेबाजी बंद कर दी। आखिरकार कुछ रुपये अधिक देने से मेरी जेब में कोई छेद नहीं होगा, लेकिन इससे इस गरीब को अपनी बेटी की स्कूल फीस बचाने में मदद मिल सकती है। मैं बची चिल्लर का इंतजार किए बिना टैक्सी चालक को भुगतान करता हूँ। अतिरिक्त धन उसके चेहरे पर एक मुस्कान ला सकता है। आखिर वह मेरे मुकाबले जीने के लिए बहुत मेहनत कर रहा है। मैने बुजुर्गों को यह बताना बंद कर दिया कि वे पहले ही कई बार उस कहानी को सुना चुके हैं। आखिर वह कहानी उसकी अतीत कीयादें ताजा करती है और जिंदगी जीने को हौंसला बढ़ती है।

➢ कोई इंसान अगर गलत भी हो तो मैंने उसको सुधारना बंद कर दिया। आखिर सबको परफेक्ट बनाने का बोघ मुझ पर नहीं है। ऐसे परफेक्ट से शांति अधिक कीमती है।

➢ मैं अब सबकी तारीफ बड़ी उदारता से करता हूँ। मैं उन लोगों से दूर ही रहता हूं, जो मुझे महत्व नहीं देते। आखिरकार वे मेरी कीमत नहीं जान सकते, लेकिन मैं वह बखूबी जानता हूं।

➢ मैं अपनी भावनाओं से शर्मिंदा ना होना सीख रहा हूँ। आखिर ये भावनाएँ ही है जो मुझे मानव बनाती है।

➢ मैंने सीखा है कि किसी रिश्ते को तोड़ने की तुलना में अहंकार को छोड़ना बेहतर है। क्योंकि मेरा अहंकार मुझे सबसे अलग रखेगा, जबकि रिश्तों के साथ मैं कभी अकेला नहीं रहूँगा।

➢ मैंने प्रत्येक दिन ऐसे जीना सीख लिया है जैसे कि यह दिन मेरा आखिरी हो। क्या पता कल हो ना हो और सबसे महत्वपूर्ण मैं वही काम करता हूँ जो मुझे खुशी देता है। आखिर अपनी खुशी के लिए मैं खुद जिम्मेदार हूं और मैं उसका हकदार भी हूं।

➢ अभी इकट्ठा करने के बजाय दान-पुण्य करने में ज्यादा विश्वास करता हूं।

➢ अपने स्वास्थ्य पर गंभीरता सेध्यान देने लगा हूं। योग, एक्सरसाईज, वॉकिंग पर ध्यान देता हूं।

➢ खाने-पीने पर विशेष ध्यान देता हूं। इस उम्र में प्रभु से निकटता बढ़ा ली है। इतनी उम्र यों ही चली गई, जो बची है तीर्थ यात्रा, प्रभु भक्ति, भजन कीर्तन में लगाता हूँ।

ग़ज़ल

परमानन्द भट्ट, जालोर

नदियॉं झरने सरवर पानी
पानी में सब मिलकर पानी

इतरा मत-ऊँचा उठने पर
चार दिवस यह अम्बर पानी

सागर की चाहत में देखो
भटक रहा है दर-दर पानी

नैन नदी के लॉघ किनारे
बहता जाता झर-झर पानी

रिश्तों में ठंडक आते ही
जमकर होता पत्थर पानी

अक्सर ज्ञान अधूरा छलके
छलके अधजल सागर पानी

भीतर अमि का निर्झर बहता
ढूँढ़ परम मत बाहर पानी

आयोडीन नमक जहर
उपयोगी है सेंधा नमक

सेंधा नमक में 84 खनिज होते हैं। इसके अलावा इसमें Trace Minerals भी होते है इन Trace Minerals के कारण ही सोडियम शरीर को निरोगी बनाता है आयोडीन नमक में 98 प्रतिशत सोडियम क्लोराइड ही है। शरीर इसे न पचने वाले पदार्थ के रूप में रखता है। यह शरीर में घुलता नहीं है।

समुद्री नमक क बारे में अमेरिका में हुई नई खोंजों के अनुसार हमारे शरीर की कुल मांग का केवल 20 प्रतिशत ही समुद्री नमक प्रयोग लाया जाना चाहिए। शेष 80 प्रतिशत सेंधा, काला या संवर नमक प्रयोग करना चाहिए। पर गम्भीर समस्या यह है कि बाजार में मिलने वाला समुद्री नमक कई प्रकार की रासायनिक क्रियाओं से गुजरने के बाद चीनी की तरह विषैला हो जाता है। इसी आधार पर स्व. भाई श्री राजीव दीक्षित जी आयोडीन रहित नमक की बिक्री पर लगी रोक हटवाने में सफल हुए थे। इलेक्ट्रानिक मीडिया तथा समाचार पत्रों ने इस समाचार को दबा दिया।

एक जरूरी जानकारी यह है कि फ्रीफ्लो आयोडिन नमक शरीर में सारे विषों को बाहर निकलने से रोकता है। अत: अनेक रोगों का बड़ा कारण है। इसके विपरीत शेष प्राकृतिक नमक सारे विषों को बाहर निकालने में सहायता करते है। अत: ये रक्तचाप को बढ़ाते नहीं, सामान्य करते हैं।

समुद्र के पानी और धूप की गर्मी से वाष्पित होकर बनने वाले नमक में सोडियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटेशियम जैसे तत्व मिले रहते है। यह तत्व वर्षा के पानी के द्वारा जमीन की मिट्टी से मिलते हुए समुद्र में मिलते हैं और यही नमक में आते हैं। इसीलिए थैलीवाले आयोडिन नमक से खड़ा नमक (सेंधा या काला) ज्यादा अच्छा है। सेंधा नमक में सोडियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटेशियम आदि का अनुपात संतुलित होता है। इसीलिए यह नमक हल्का, सुपाच्य और शरीर के लिए लाभदायक होता है। हम रोजाना जो सब्जियां या दाले खाते है, उनमें आजकल भरपूर मात्रा में डी ए पी, यूरिया के रूप में रासायनिक खाद, कीटनाशक डाले जाते है जिसके कारण यह विष हमारे शरीर में जाते हैं। एक अनुमान के अनुसार हम साल भर में लगभग 70 ग्राम विष खा लेते हे। सेंधा नमक इस जहर को कम करता है। नपुंसकता, रक्तचाप, थॉयराइड, लकवा मिर्गी आदि बिमारियों को रोकता है।

सेंधा नमक में 84 खनिज होते हैं। इसके अलावा इसमें Trace Minerals भी होते है इन Trace Minerals के कारण ही सोडियम शरीर को निरोगी बनाता है आयोडीन नमक में 98 प्रतिशत सोडियम क्लोराइड ही है। शरीर इसे न पचने वाले पदार्थ के रूप में रखता है। यह शरीर में घुलता नहीं है। इस नमक में आयोडीन को बनाये रखने के लिए ट्राई कैल्शियम फॉस्फेट, मैग्नीशियम कार्बोनेट, सोडियम एल्यूमिना सिलिकेट जैसे रसायन मिलाये जाते है। जो सीमेंट बनाने में भी इस्तेमाल होते है। विज्ञान के अनुसार यह रसायन शरीर में रक्त वाहिनियों को कड़ा बनाते है। जिसमें अवरोध बनाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। ऑक्सीजन जाने में परेशानी होती है। एक ग्राम आयोडीन नमक अपने से 23 गुना अधिक पानी सोखता है। यह पानी कोशिकाओं के पानी को कम करता है इसी कारण हमें प्यास ज्यादा लगती है।

विशेष: अपने आसपास के करियाने वालों से ही सेंधा नमक का पत्थर लेकर प्रयोग करे।

सेंधा नमक के गुण: सभी नमकों में केवल सेंधानमक हृदय एवं नेत्रों के लिए हितकर, वीर्यवर्धक, त्रिदोषशामक (वात–पित्त–कफ को संतुलित करने वाला), जल्दी पचने वाला और जठराग्नि को प्रदीप्त करने वाला होता है।

सुबह का नाश्ता क्या हो?

गतांक से जारी...

सन टू ह्यूमन पद्धति

7. बादाम

(प्रतिदिन 5 से 10 रात में भिगोकर)

–सूखे मेवों में बादाम सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। बादाम की वसा तथा प्रोटीन सर्वश्रेष्ठ किस्म का होता है। रात में भिगोकर प्रतिदिन प्रात: काल लेने से स्कर्वी, पीलिया, फेफडे, गले तथा स्वरनली की सूजन, मूत्र मार्ग का संक्रमण, सूखी खॉसी, यक्ष्मा, स्नायविक प्रदाह, हृदय की दुर्बलता, रक्त की कमी, यकृत की सूजन, कब्ज, गर्भावस्था तथा स्तन्यकाल की दुर्बलता, शुक्र प्रमेह, नपुंसकता दूर होती है। वात, पित्त और कफ इन तीनों दोषों में बादाम का उपयोग होता है। यह मस्तिष्क तथा आँखों को पुष्टि देता है।

–प्रतिदिन 5 से 10 बादाम रात में भिगोकर सुबह उसका छिलका निकालकर सेवन करना हितकारी है। कड़वे बादाम से बचे।

8. अखरोट

(प्रतिदिन दो रात में भिगोकर)

–अखरोट भी बादाम के समान गुणकारी है। यह वातशामक, कफ पित्त वर्धक तथा हृदय को बल प्रदान करने वाला होता है। इसमें मौजूद ओमेगा–3 फेटीएसिड दिल तथा दिमाग की तरफ रक्त संचार को नियमित रखते हुए स्ट्रॉक तथा अन्य कई खतरनाक बिमारियों से बचाता है। मानसिक खुशलता, बुद्धिमता एवं एकाग्रहता को बढ़ाता है। दिमागी रोग से भी बचाने में लाभदायक है।

–प्रतिदिन 2 अखरोट रात में भिगोकर सुबह सेवन करना हितकारी है।

9. पिण्ड खजूर

(प्रतिदिन दो, भिगोये नहीं)

–पिण्ड खजूर पोषक, बल्य एवं मूलक है। यह पुष्टि प्रदान कर धातु में वृद्धि करती है एवं कृमि का नाश करने का काम करती है। यह मधुर, स्निग्ध, रूचि उत्पादक, हृदय के लिये हितकारी, भारी, मल को रोकने वाली और बलप्रद है। खजूर में कार्बोहाइड्रेट और खनिज द्रव्य भी प्रचुर मात्रा में है।

–इसमें विटामिन ए, बी और सी अत्यधिक मात्रा में है और लौह, कैल्शियम, ताँबा, फॉस्फोरस होने से पौष्टिक होता है। पाचन तंत्र को स्वस्थ कर आँतों व शरीर को स्वच्छ करती है।

10. मुनक्का

(प्रतिदिन पांच रात में भिगोकर)

–मुनक्का तथा किशमिश में विपुल मात्रा में अतिश्रेष्ठ किस्म का कार्बो मिलता है। मुनक्का व किशमिश अति शीघ्रता से आरोग्य प्रदान करता है। यह शरीर की कमजोरी का दूर करता है। इसको खाने से शरीर शुद्धि, रक्त शुद्धि तथा रक्त का निर्माण तेजी से होता है।

–मुनक्का तथा किशमिश को 12 से 16 घंटे भिगोने के पश्चात खायें। जिन को पित्त–प्रकोप हुआ हो, शरीर में जलन हो या उल्टी हो, उनके लिए मनुक्का लाभदायक है। ऑखों के लिए हितकारी होती है और मल–मूत्र को बाहर निकालती है।

क्रमश:

हरियाली की बहार

केला मटर

कच्चे केले को उबालें व छिलका निकालकर मध्यम आकार में काट लें। मटर के दाने निकालकर उबाल लें। फिर तेल गरम करके उसमें राई–जीरे का बघार लगाकर हरी मिर्च पकाएं। इसमें उबले हुए केला व मटर मिलाएं और स्वादानुसार सेंधा नमक, हल्दी, खड़ा धनिया, अजवाइन व गरम मसाला डालकर पकाएं।

PRAKASH STEELAGE LTD

PRAKASH GROUPS

Mr. Prakash C. Kanugo, is the Promoter, Chairman & Managing Director of the Company. He established Prakash Steelage Ltd. in the year 1991. Prakash Steelage Ltd. is a flagship company of the Prakash Group. PSL got listed in both of the stock exchanges "BSE and NSE" in the year 2010 and engaged in the manufac- turing of welded stainless steel Pipes, Tubes, and U-tubes. Prakash Steelage Ltd. is an ISO 9001: 2008 & PED Certified Company and also a "Govt. Recognized Star Export House" exporting to several MNCs into more than 40 countries across the Globe.
The Company entered into a joint venture agreement in the year of 2015 with Tubacex S.A. Spain, a world leader in the manufacturing of seamless stainless steel tubes for its seamless division at its factory with the name of Tubacex Prakash India Pvt. Ltd. Umbergaon (Gujarat). The Joint Venture was in force till March 2021. Also, have had a Silvassa manufacturing plant since 1996.

Head Office: 101, 1st Floor, Shatrunjay Apartment, 28, Sindhi Lane, Nanubhai Desai Road, Mumbai - 400004, Maharastra, India.

Plant Survey No. 46/1, Village Kherdi, U.T. of Dadra & Nagar Haveli, Silvassa (India)

sales@prakashsteelage.com
+91-22-6613 4500

PROJECT-UMBERGAON, GUJARAT

Prakash Land Developers combines the expertise of its promoters Mr. Hemant Kanugo & Mr. Jagdish Chandan in the area of industrial plants, plot development, bungalow projects, and Commercial & residential projects across several states.

Driven by the passion to deliver high-quality projects with technical superiority and superior living experiences, Prakash Land Developers continues to exceed expectations with every project. Very close to Railway station, Jain temple, Schools, and Market place.

PREMIUM PROJECT OF UMBERGAON. ELITE. ELEGANT. EXCLUSIVE.

Regional Office: Plot No. 33 GIDC Colony, Opp. Police Station, Near Garba Madal, Umbergaon West. Umbergaon 396171 District Valsad. Gujarat.

Site Office: New Survey no. 48 & 49, At Dahad, Umbergaon Station Road, Taluka Umbergaon, Dist-Valsad, Gujarat. 396165

www.prakashprojects.com
+91 90999 41598

सन टू ह्यूमन के आगामी शिविर

आवासीय शिविर

नये दृष्टिकोण वाले शिविर

सुबह 2-2 घंटे

SUN TO HUMAN FOUNDATION

UPCOMING EVENTS 2023-24

आगामी शिविर

Join the camp & live the change

VRINDAVAN	NEPAL BIRATNAGAR	RATLAM	BHAVNAGAR	PUNE
19 to 21 Aug 2023	1 to 3 Sep 2023	1 to 6 Oct 2023	15 to 20 Nov 2023	19 to 24 Nov 2023

KOLKATA	RAIPUR	SANTACRUZ	DURG	BORIVALI
28 Nov to 3 Dec 2023	22 to 27 Dec 2023	6 to 11 Jan 2024	Mid Jan (Dates yet to be decided)	23 to 28 Jan 2024

BHILWARA	UDAIPUR	AHMEDABAD	INDORE	JAIPUR	JODHPUR
15 to 20 Mar 2024	19 to 24 Mar 2024	27 Mar to 1 Apr 2024	16 to 21 May 2024	28 May to 2 Jun 2024	2 to 7 Jun 2024

8770657162 9111555553

अत्यंत घातक मनोविकार?

जीवन लक्ष्य की प्राप्ति में 'अहंकार' एक प्रबल शत्रु है क्योंकि सभी भेद अहं भावना से ही उत्पन्न होते हैं, जिनके उत्पन्न होते ही काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकार उठ खड़े होते हैं इन्हें बाहर से बुलाना नहीं पड़ता । अहंकार स्वतः भेद बुद्धि के प्रसंग से इन्हें अंतस्थल में पैदा कर देता है । मनुष्य परिस्थितियों को दोष देता है या किसी दूसरे व्यक्ति के मत्थे दोष म ?ने का प्रयत्न करता है, किंतु यह दोष अपने अहंकार का है, जो अन्य विकारों की तरह आपको साधन-भ्रष्ट बना देता है । अत: आप इसे ही मारने का प्रयत्न कीजिए ।

अहंकार का नाश करने में मनुष्य को सर्वप्रथम निरपेक्ष होना चाहिए क्योंकि यही सारे अनर्थ का मूल है । समस्त दुख और विनाश के ही परिणाम इससे प्राप्त होते हैं रावण की शक्ति का कुछ ठिकाना न था, कंस का बल और पराक्रम जगत विख्यात है । दुर्योधन, शिशुपाल, नेपोलियन, हिटलर आदि की शक्तियों के आगे संसार भयभीत था, किंतु उनका अहंकार ही उन्हें खा गया । मनुष्य को पतन की ओर ले जाने में

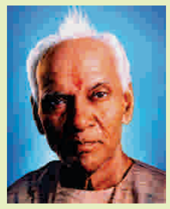

पं.श्रीराम शर्मा आचार्य

अहंकार का ही हाथ रहता है । श्रेय के साधकों इससे दूर ही रहना चाहिए । भगवान सबसे पहले अभिमान ही नष्ट करते हैं । अहंकारी व्यक्ति को कभी उसका प्रकाश नहीं मिल सकता ।

'अहंकार' एक प्रकार की संग्रह वृत्ति है । अहं के योग से मनुष्य जगत की प्रत्येक वस्तु पर एकाधिकार चाहता है । उसका लाभ केवल स्वयं ही उठाना चाहता है । किसी दूसरे को हस्तक्षेप करते या लाभ उठाते देखकर वह जल भुन उठता है और प्रतिकार के लिए तैयार हो जाता है । जब तक यह पाप पराकाष्ठा तक नहीं पहुंच जाता तब तक भले ही कोई शोषण दमन अपहरण तथा अनैतिक भोग भोगता रहे किंतु अंतत: सभी लोग उसका साथ छोड़ देते हैं

साधन और परिस्थितियां शीघ्र ही विपरीत हो जाती हैं, तब मनुष्य को हार माननी पड़ती है । मुंह की खानी पड़ती है और कभी-कभी तो सर्वनाश के ही दर्शन करने पड़ते हैं। अहंकार में डूब मत जाइए

भीतर की ज्वाला ही जीवन में प्रकाश भरती रहती है

हमारे भीतर एक ज्वाला विद्यमान है, जो हमारे जीवन में कायाकल्प कर सकने की सामर्थ्य रखती है। एक ज्योति है, जो हमें विवेक, शाश्वत सुख, पूर्ण प्रेम, निर्भयता ओर अमरत्व दे सकती है। यह ज्वाला हमारे हृदय और मन को आलोकित करती है और ऐसे प्रश्नें के उत्तर दिलाती है जिनसे मानवता युगों-युगों से जूझती आई है।

हम सभी के भीतर एक दिव्य चिंगारी छिपी हुई है। विस्मयकारी सौंदर्य के मण्डल, अकल्पनीय दृश्य और ध्वनियां असीम विवेक और पूर्ण रूप से आलिंगित प्रेम हमें अंतर में आमंत्रित करते है। दिव्य ज्योति निरंतर प्रकाशित रहती है। हम इसकी खोज में धरती के एक छोर से दूसरे छोर तक चले जाते है, किन्तु इसके रहस्य हमारे भीतर छिपे रह जाते है। मानव के उद्गम को जानने के लिए वैज्ञानिक दूरबीनों के जरिए समस्त ब्रह्माण्ड को निहारने पर या पार्टिकल एक्सीलिरेटर्स के माध्यम से परमाणु का खण्डन करके 'परमात्मा-कर्ण' ढूंढने से प्रभु को पाने का प्रयास करते है। फिर भी अधिकांश लोगों के लिए ईश्वर एक रहस्य बना हुआ है।

हमारे भीतर एक ज्वाला विद्यमान है, जो हमारे जीवन में कायाकल्प कर सकने की सामर्थ्य रखती है। एक ज्योति है, जो हमें विवेक, शाश्वत सुख, पूर्ण प्रेम, निर्भयता ओर अमरत्व दे सकती है। यह ज्वाला हमारे हृदय और मन को आलोकित करती है और ऐसे प्रश्नों के उत्तर दिलाती है जिनसे मानवता युगों-युगों से जूझती आई है। जैसे कि हम यहां क्यों आए है? हम कहां से आए है? मृत्योपरांत हम कहां जाएंगे? वैज्ञानिकों की भांति हम इनके उत्तरों को तारों से भरे आसमान में और परमाणु के अंदर ढूंढते रहते है। हम इनके उत्तरों को धर्मस्थानों, धर्मग्रंथों और तीर्थस्थानों में भी ढूंढते रहते है। परन्तु इस ज्ञान को प्राप्त करने के लिए हमें कहीं बाहर खोजने की आवश्यकता नहीं है। यह ज्वाला हम सबके भीतर विद्यमान है। जब हम उस धधकते अंगारे को खोज लेते है, तो हम अंतर के अचरजों को देखने वाले बन जाते है और सौंदर्य, असीम प्रेम, अविरल आह्लाद तथा अकथनीय हर्षोन्माद का अनुभव करने लगते है। यह स्थिति महज चंद लोगों के लिए नहीं है, यह सभी के लिए उपलब्ध है।

शाश्वत धूप का आनंद लेने के लिए हमें अपने भीतर झांकना होगा। ध्यानाभ्यास से हम आंतरिक ज्योति और श्रुति को देख और सुन सकते है। **क्रमशः**

मारवाड़ चेतना नि :शुल्क प्राप्त करें

यदि आप **मारवाड़ चेतना** अपने वाट्सअप पर निःशुल्क प्राप्त करना चाहते हैं तो हमारा मोबाईल नं. 9820738681 आपके मोबाईल में मारवाड़ चेतना के नाम से सेव कर लें व व्हाट्सअप पर हमें इसी नंबर पर अपना नाम, पता, मूल निवासी आदि लिखकर भेज दें। उसके बाद आपको हर सप्ताह व्हाट्सअप पर मारवाड़ चेतना प्राप्त होता रहेगा।

गीत गाओ ।

गीत गाना दिव्य है, दिव्यतम घटनाओं में से एक है।केवल नृत्य ही इससे ऊपर है। नृत्य के बाद गायन ही आता है। और नृत्य करना और गीत गाना दिव्य घटनाएं क्यों है? क्योंकि यही वे घटनाएं है जिनमें आप पूरी तरह से खो सकते है। आप गायन में इतना डूब सकते है कि गायक खो जाए और केवल गीत ही बचे या नर्तक खो जाए और केवल नृत्य ही बचे। और वही क्षण रूपांतरण का, बदलाहट का क्षण होता है जब गायक नहीं बचता और केवल गीत रह जाता है। जब आपका पूरा अस्तित्व एक गीत या एक नृत्य बन जाता है, तो वहीं प्रार्थना है।

आप क्या गा रहे है यह अप्रासंगिक है। चाहे वह कोई धार्मिक गीत ना भी हो, लेकिन यदि आप उसे पूरे प्राणों से गा रहे है, तो वह पवित्र है। और इससे उल्टा भी हो सकता है - - सदियों से श्रद्धापूर्वक चला आ रहा कोई धार्मिक गीत भी यदि आप पूरे प्राणों से नहीं गा रहे तो वह अपवित्र है। गीत के बोलों का महत्व नहीं है, उस में आप जो भाव लाते हैं -- समग्रता, प्रगाढ़ता लाते है -- वहीं महत्वपूर्ण है।

किसी और का गीत मत दोहराएं, वह आपके हृदय से नहीं उठा है। और यह ढंग नहीं है उस दिव्य के चरणों में अपने हृदय को उड़ेलने का। अपने गीत को उठने दें। छंद और व्याकरण को भूल जाएं। परमात्मा कोई बहुत बड़ा व्याकरण का जानकार नहीं है और उसे इसकी चिंता नहीं है कि आप किन शब्दों का प्रयोग करते है। उसकी उत्सुकता आपके हृदय में है।

ओशो

चेतना प्रवाह

जिस तरह सांप के जहर को दवा के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, मृत्यु का भी सकरात्मक रूप से उपयोग कर सकते है। मृत्यु का खयाल सिर्फ भय नहीं पैदा करता, वह जीवन के प्रति हमें जिम्मेदारी से भी भरता है। जब हम जीवन को अपनी बेहोशी में बेहतरीन ढंग से खर्च कर रहे होतो है, तब मृत्यु का ख्याल ही हमें व्यवस्थित होने को मजबूर करता है। इसीलिए जो लोग कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हो मृत्यु को ज्यादा करीब से देखकर वापस लौटते हैं, वे जीवन को और खूबसूरत बनाने का यत्न करते है, वे और जिम्मेदारी से जीवन जीने लगते है। मृत्यु से खयाल से जीवन को संवारा भी जा सकता है।

सहजज्ञान या अन्त प्रज्ञावाद

जीवन और ज्ञान का अभिन्न संबंध है। जब तक ज्ञान प्राप्त नहीं होता, जीवन में सफल नहीं हो सकता। सहजज्ञान आत्मजागृति व विशुद्धता का परिचायक होता है। यह ज्ञान अन्तः प्रज्ञावाद कहलाता है। पूर्व क्षयोपशम के कारण उत्पन्न होने वाला यह ज्ञान निश्चय ही आन्तरकि परिशोधन का आधार होता है। बिना अध्ययन के प्रकट होनेवाला यह सहजज्ञान व्यक्ति की विशिष्टता का परिचय कराता है। व्यक्ति की परमोच्च स्थिति ऐसी ही पावनधारा से संभव हो सकती है। सहजज्ञान जीवन्त तत्त्व प्रदायक होता है। इसी से मनुष्य की प्रकृति में संस्कृति का समुद्गम होता है और आत्म तत्व की श्रद्धा दृढ़ होती है। यही आस्था क्रमबद्ध विकास की जननी है।

-आचार्य जयन्तसेनसूरि

खेती का काम करते समय किसी दुर्घटना में किसान की मृत्यु होने पर एक योजना के तहत ही दिया जाएगा मुआवजा

कृषि कार्य करते हुए किसान विभिन्न प्रकार कि दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते हैं। इसमें आकाशीय बिजली गिरने, बाढ़, बिजली के करंट, फसल में आग लगने, मशीन पर काम करते हुए या किन्हीं अन्य कारणों से किसान की मृत्यु हो हो जाती है। ऐसे में किसान परिवार को आर्थिक मदद करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा मुआवज़ा दिया जाता है। किसानों को दिया जाने वाला यह मुआवज़ा अलग-अलग राज्य सरकारों के द्वारा अलग-अलग योजनाओं के तहत दिया जाता है। परंतु राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में दो योजनाएँ चलाई जा रही है, जिनके तहत दुर्घटना में किसान की मृत्यु होने पर सहायता राशि दी जाती है। इसको लेकर विधान सभा में विधायक श्री हीराराम ने दुर्घटना में किसान की मृत्यु होने पर दिए जाने वाले मुआवजे को लेकर सवाल किया था। किसी एक योजना के तहत ही दिया जाता है मुआवजा कृषि विपणन राज्यमंत्री श्री मुरारी लाल मीणा ने शुक्रवार 21 जुलाई को विधानसभा में स्पष्ट किया कि कृषि कार्य करते समय किसान की दुर्घटना में मृत्यु होने पर राजीव गांधी कृषक साथी सहायता योजना तथा मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना की पात्रता की स्थिति में आश्रित को सहायता राशि किसी भी एक योजना में ही देय है। किसानों

को मधुमक्खी पालन हेतु बी-कीपिंग किट एवं अन्य उपकरण खरीदने के लिए दिया जाएगा अनुदान उन्होंने विधायक श्री हीराराम के द्वारा पूछे गये प्रश्न का जबाव देते हुए स्पष्ट किया कि राजीव गांधी कृषक साथी सहायता योजना के अन्तर्गत कृषि कार्य करते समय दुर्घटना में किसान की मृत्यु होने पर आश्रित को संबंधित मण्डी समिति द्वारा आर्थिक सहायता राशि दिये जाने का प्रावधान है।

किसान की मृत्यु होने पर कितना पैसा दिया जाता है?

श्री मीणा ने बताया कि कृषि कार्य करते समय दुर्घटना में मृत्यु का प्रकरण राजीव गांधी कृषक साथी सहायता योजना के दिशाङ्निर्देशों में कवर होने पर 2 लाख रूपये की सहायता मण्डी समिति कोष से दी जाती है। उन्होंने बताया कि मण्डी समिति द्वारा दी गई सहायता राशि का पुनर्भरण राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा इस बाबत गठित कोष से किया जाता है। इस कोष में प्रतिवर्ष 25 करोड़ रुपये की राशि राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड से तथा 25 करोड़ रुपये की राशि विशिष्ठ एवं अ श्रेणी की मण्डी समितियों से अंशदान के रूप में प्रदान की जाती है। यह भी पढ़ें किसानों को नहीं देना होगा फसली ऋण पर ब्याज, सरकार ने जारी किए निर्देश कृषि विपणन राज्यमंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र बिलाड़ा में बिलाड़ा, पीपाड शहर तथा भगत की कोठी एवं राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) जोधपुर आती है। उन्होंने बताया कि विगत 3 वर्षों में 2020-21 से 2023-24 तक 43 आवेदकों को 71.85 लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनान्तर्गत दी जा रही सहायता राशि को बढ़ाये जाने का कोई प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

राजीव गांधी कृषक साथी सहायता योजना के अन्तर्गत कृषि कार्य करते समय दुर्घटना में किसान की मृत्यु होने पर आश्रित को संबंधित मण्डी समिति द्वारा आर्थिक सहायता राशि दिये जाने का प्रावधान है।

राज्य में 617 एग्रो प्रोजेक्ट्स पर 1255 करोड़ का निवेश, 119 करोड़ की सब्सिडी मंजूर

जयपुर। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति-2019 के तहत प्रदेश में कोविड की विपरीत परिस्थितियों के बीच 617 एग्रो प्रोजेक्ट स्थापित हो रहे हैं, जिन पर 1255 करोड़ रूपए का निवेश होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने अब तक 338 प्रोजेक्ट पर 119 करोड़ रूपए की सब्सिडी मंजूर की है। कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री भास्कर ए सावंत ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने वर्तमान राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ के मौके पर दिसम्बर, 2019 में यह नीति लॉन्च की थी। पूंजीगत, ब्याज, विद्युत प्रभार एवं भाड़ा अनुदान प्रोत्साहन तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कृषि भूमि के रूपान्तरण जैसी सहूलियतों की वजह से किसान एवं उद्यमी इसमें खासी रूचि दिखा रहे हैं। वेयर

गैर-कृषक उद्यमियों ने 496 करो रूपए निवेश कर 250 इकाइयां स्थापित की हैं, जिन पर राज्य सरकार की ओर से 79 करो 69 लाख रूपए सब्सिडी दी गई है।

हाउस एवं केटल फीड उद्यमों के साथ तिलहन, दलहन, मसाले, मूंगफली, कपास, दूध एवं अनाज प्रोसेसिंग की इकाइयां स्थापित की गई हैं। राज्य में 88 किसानों को 39 करोड़ 60 लाख रूपए की सब्सिडी स्वीकृत की गई है, जिन्होंने 89 करोड़ रूपए का निवेश किया है। गैर-कृषक उद्यमियों ने 496 करोड़ रूपए निवेश कर 250 इकाइयां स्थापित की हैं, जिन पर राज्य सरकार की ओर से 79 करोड़ 69 लाख रूपए सब्सिडी दी गई है। शेष अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए बैंकों से लोन स्वीकृत होकर कार्य चालू हो गया है, जिन्हें शीघ्र ही सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। श्री सावंत ने बताया कि राज्य में वेयर हाउस स्थापना में सबसे ज्यादा रूचि दिखाई जा रही है। 226 वेयरहाउस स्थापित हो रहे हैं। एग्रो प्रोसेसिंग क्षेत्र में सबसे अधिक अनाज प्रोसेसिंग की 82 एवं तिलहन प्रोसेसिंग की 76 इकाइयां लगाई गई है। इसके अलावा दलहन की 46, मसाले की 43, मूंगफली की 36, कपास की 33, केटल फीड की 16, दूध प्रोसेसिंग की 15, शॉर्टिंग-ग्रेडिंग की 13 एवं 31 अन्य इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि इस नीति के तहत एग्रो प्रोसेसिंग इंडस्ट्री लगाने और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए किसान एवं उनके संगठनों को परियोजना लागत का 50 फीसदी (अधिकतम एक करोड़ रूपए) तथा अन्य पात्र उद्यमियों को 25 प्रतिशत (अधिकतम 50 लाख रूपए) अनुदान दिया जा रहा है। साथ ही संचालन लागत कम करने के लिए सावधि ऋण लेने पर किसानों एवं उनके समूहों को 6 फीसदी की दर से 5 साल तक ब्याज अनुदान दिया जा रहा है। किसानों के लिए ब्याज अनुदान की अधिकतम सीमा एक करोड़ रूपए तय की गई है। सामान्य उद्यमियों को 5 फीसदी की दर से 5 साल तक ब्याज अनुदान दिया जा रहा है, जबकि आदिवासी क्षेत्रों एवं पिछड़े जिलों में इकाइयां लगाने वालों तथा अनुसूचित जाति-जनजाति, महिला एवं 35 साल से कम उम्र के उद्यमियों को एक प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान मिल रहा है। यह प्रसंस्करण उद्योगों के लिए अधिकतम 50 लाख रूपए एवं आधारभूत संरचना इकाइयों के लिए एक करोड़ रूपए तक दिया जा रहा है।

टमाटर के भाव आसमान छू गए हैं

विद्या उत्तम शाह

बारिश में जहां आम जनता में हरी सब्जियों की अच्छी आवक व पैदावार को लेकर उम्मीद बनती है कि सब्जी के दाम उनकी जेब के अनुकूल होंगे। लेकिन होता उससे उल्टा है ,इस बार भी टमाटर के भाव आसमान छू रहे हैं समझ नहीं आता कि अचानक ऐसा क्यों हो जाता है कि बम्पर पैदा होने वाली फसल का इतना अभाव होने लगता है कि वह थाली से दूर कर दी जाती है । बिचौलियों व किसानों के बीच समन्वय का अभाव होने से किसानों को फसल की सही लागत नहीं मिलती ।एवं दलाल अधिक मूल्य पर आम जनता तक माल पहुंचाते हैं।

सिर्फ टमाटर ही नहीं बल्कि सभी सब्जियां एवं अन्य सभी खाद्य पदार्थों के भाव इतने अधिक बढ़ गए हैं कि मध्यमवर्गीय एवं गरीब जनता तो क्या उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों पर भी इसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगा है। जहां बारिश के मौसम में लोग गर्म सूप पीते उसमें भी कटौती करनी पड़ रही है ।बढ़ती महंगाई हर स्तर पर प्रभावित कर रही सीमित आय वाले परिवारों के लिए गुजारा करना बहुत बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

मारवाड़ चेतना
माघ कॉलोनी, भीनमाल, जिला जालोर (राज.) फोन: 02969-220344
मुंबई ऑफिस: 605, ओरियन बिल्डिंग, रेलवे बेकरी के सामने,
ग्रांट रोड पूर्व, मुंबई-400 007
मोबाईल: 9820738681 marwarchetna01@gmail.com

डाक पंजीयन:
RJ/SRO/9636/**2021-2023**
R.N.I. No. 54501/91

राजस्थान के चुनाव का सर्वे करेगी परिहार की कंपनी प्राइम टाई

- पॉलिटिकल सर्वे में सबकी ताकत का आंकलन करेगी पॉलिटिकल सर्वे कंपनी।
- हर विधानसभा क्षेत्र में हर धर्म, समाज, जाति, वर्ण और वर्ग के लोगों का मूड मापने निकलेगी सर्वे टीम।
- बीजेपी व कांग्रेस सहित पांच छोटी पार्टियां भी मैदान में ।

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव नवंबर के अंत में हैं। इस चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस में सीधी जंग है। यह जंग किस विधानसभा सीट पर कैसी होगी, लोग किसके साथ है, किस पार्टी का कितना जोर है, और किसका केवल शोर है, किस पॉलिटिकल खेमे में किस ङ्क किस के बीच आपसी जंग है और उस जंग में कौन किससे कितना कमजोर है, यह जानकारी जुटाने के लिए इलेक्शन स्ट्रेटजी के क्षेत्र की प्रमुख कंपनी प्राइम टाइम इन्फोमीडिया प्राइवेट लिमिटेड अगले सप्ताह से राजस्थान का पॉलिटिकल तापमान मापने निकल रही है। यह कंपनी गुजरात और महाराष्ट्र में चुनावी सर्वे और ग्राउंड रियलिटी जुटाने का काम पहले भी कर चुकी है। जाने माने राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार की कंपनी 'प्राइम टाइम' का गुजरात विधानसभा के पिछले दो चुनावों का सामाजिक समीकरणों पर आधारित तथ्यात्मक आंकलन काफी सटीक रहा।

विधानसभा चुनाव के लिहाज से ग्राउंड रियलिटी जुटाने के लिए प्रदेश की सभी 200 सीटों पर 'प्राइम टाइम' यह सर्वे कर रही है, और यह काम 30 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। प्रदेश में हर धर्म, समाज, जाति, वर्ण और वर्ग के लोगों से ठ क्तिगत बातचीत के आधार पर विश्लेषण तय होगा, जिसके लिए हर विधानसभा क्षेत्र में 10-10 लोग काम करेंगे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह सर्वे टीम, किस पार्टी के किस राजनीतिक कार्यकर्ता की किस वर्ग में कितनी पैठ है और किस वर्ग से किस नेता को समर्थन मिलना संभव है या नहीं, और मिलेगा तो भी कितना मिलेगा, इस बारे में वास्तविक तथ्यात्मक जानकारी जुटाएगी। 'प्राइम टाइम' का यह सर्वे किस पार्टी के लिए है, यह जानकारी देने से इंकार करते हुए परिहार कहते हैं कि यह एक व्यावसायिक जानकारी है, जिसे जाहिर करना नीतिगत रूप से उचित नहीं है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस व बीजेपी दोनों दलों में कई दिग्गज नेताओं से परिहार के काफी विश्वसनीय रिश्ते हैं। सन 2013-14 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के महाअभियान के लिए प्रशांत किशोर की संकल्पना को ग्राउंड पर लागू करने में परिहार प्रमुख भूमिका में रहे हैं तो राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भी वे बेहद करीबी माने जाते हैं। इसी कारण यह कयास मुश्किल है कि वे किस पार्टी के लिए काम करने जा रहे हैं।

'प्राइम टाइम' का यह सर्वे उम्मीदवारी और हार जीत के साथ साथ ग्राउंड रियलिटी के आधार पर पॉलिटिकल पार्टी को अपने समीकरण स्थापित करने और कार्यकर्ताओं को कहां काम सौंपना है, यह तय करने का रास्ता आसान करने में मददगार साबित होगा। परिहार कहते हैं कि उनका यह सर्वे ऐसा होगा, जो ग्राउंड रियलिटी की सामान्य राजनीतिक समझ से ऊपर होगा, तथा उनकी रिपोर्ट पर अमल किया जाना ही जीत सुनिश्चित करेगा।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में बीजेपी और कांग्रेस के अलावा भी पांच छोटी पार्टियां मैदान में दिख रही हैं। बीजेपी में नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव होना है, तो कांग्रेस में अशोक गहलोत तय चेहरा है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पिछले साल भर से मैदान में उतरी है, हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी भी पूरे दमखम से पहले से ही तैयार है। दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी इलाके में भारतीय ट्राइबल पार्टी सक्रिय है, तो मायावती की बहुजन समाज पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) भी चुनाव मैदान में रहेगीं। इन सबकी उपस्थिति के बावजूद परिहार कहते हैं कि मैदान में असली खिला ी तो प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री गहलोत ही होंगे, जिनके बीच मौजूदा हालात में सीधा मुकाबला कुछ सीटों के अंतर का भी संभव है। इसीलिए ग्राउंड रियलिटी जुटाने की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि कहां किसके लिए कितना क्या करना है, यह सीधे समझ में आ सके। वे कहते हैं कि कांग्रेस या बीजेपी कोई भी हो, राजनीतिक दलों का नेतृत्व इस तथ्य से अच्छी तरह वाकिफ है कि हर कार्यकर्ता का अपने इलाके में व्यक्तिगत वजूद होता है और वह उसी वजूद के लिए स्वयं को केंद्र में रखकर ही हर बात बताता है, अत: किसी भी नेता या कार्यकर्ता के फीडबैक पर उनकी अपनी ही पार्टी का नेतृत्व भरोसा कम ही करता है। वे जोर देकर कहते हैं कि इसी कारण व्यावसायिक कंपनियों के सर्वे की सत्यता और विश्वसनीयता ज्यादा प्रभावी और निष्पक्ष मानी जाती हैं।

जालोर, पाली व सिरोही की राजनीतिक तस्वीर

सामाजिक समीकरण और जातिगत आधार राजनीतिक दलों के जीत का गणित कैसे सुधारते ङ्क बिगाड़ते हैं, इसके उदाहरण के तौर पर परिहार बताते हैं कि मारवाड़ इलाके के पाली, जालोर और सिरोही जिलों की कुल 14 सीटों पर आज भले ही बीजेपी 11 और कांग्रेस केवल 1 सीट पर ही है। लेकिन वहां दोनों ही पार्टियों के कार्यकर्ताओं का फीडबैक काफी विरोधाभासी है। जबकि राजनीतिक, सामाजिक व जातिगत तौर पर नए समीकरण साधकर बीजेपी सभी सीटें जीत सकती है, तो कांग्रेस भी अपने हालात में चौंकानेवाले बदलाव ला सकती हैं। राजस्थान की सभी 200 सीटों पर 'प्राइम टाइम' का ग्राउंड रियलिटी जुटाने का यह काम 30 अगस्त तक पूरा हो जाएगा। तब तक प्रदेश की चुनावी तस्वीर भी आकार लेने लगेगी।

नरपतलाल आर्य बने अध्यक्ष

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

जालोर। शहर के प्रजापत छात्रावास में श्रीयादे सेवा संस्थान की बैठक आयोजित हुई। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर नरपतलाल आर्य व सचिव पद पर किशोर कुमार देवड़ा निर्वाचित हुए।

बैठक में संस्थान के पदाधिकारीयों के चुनाव पर विचार विमर्श के पश्चात नरपतलाल आर्य को अध्यक्ष पद तथा किशोर कुमार देवड़ा को सचिव पद की जिम्मेदारी दी। कोषाध्यक्ष पद पर कन्हैयालाल मेवाड़ा को सर्व सहमति से चुना गया। अतिरिक्त उपाध्यक्ष पद पर सुरेश कुमार बडवाल, सह सचिव मनोज देवड़ा, सह कोषाध्यक्ष श्याम देवड़ा, प्रचार मंत्री शांतिलाल पोणेचा, सह प्रचार मंत्री गोकुल देवड़ा, प्रवक्ता शंकरलाल देवड़ा, सह प्रचार सुरेश कुमार पोणेचा, सोशल मीडिया प्रभारी हितेश कुमार माल चुने गए।

बैठक में नवीन कार्यकारिणी के सदस्यों के अतिरिक्त पूर्व अध्यक्ष फुलाराम सियोटा, पूर्व सचिव उत्तम देवड़ा, पूर्व कोषाध्यक्ष महेन्द्र राठौड़, चम्पालाल देवड़ा, गलबाराम आर्य, डायाराम बडवाल, मोहनलाल सियोटा, महेन्द्र मेवाड़ा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शिवसेना कार्यकारिणी गठित

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

सायला। शिव सेना (शिंदे गुट) की बैठक बिशनगढ़ में नर्बड़ी नाडी मामाजी मंदिर के प्रांगण में शिव सेना जिला प्रमुख प्रकाश रावल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में प्रकाश रावल जिला प्रमुख ने शिव सेना की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला।

इस दौरान जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए प्रदेश प्रमुख लखनसिंह पंवार के आदेशानुसार उप जिला प्रमुख पद पर बाबूसिंह पंवार व जिला संगठन प्रमुख पद पर मंगलसिंह ओटवाला, जिला महामंत्री पद पर जगतसिंह बालावत, जिला मीडिया प्रभारी डी डी सिंह राजपुरोहित, जिला सचिव गणपत सिंह राव आहोर, तहसील प्रमुख हरिसिंह राजपुरोहित, चितलवाना तहसील प्रमुख हरिसिंह राव, जालोर तहसील प्रमुख कांतिलाल माली, आंवलोज नगर प्रमुख नागर, प्रमुख फूलाराम चौधरी, आलासन नगर प्रमुख गलबाराम मेघवाल नियुक्त किए।

शिक्षा विभाग ने स्वरूपगंज आदर्श विद्यालय की मान्यता रद्द की

इस प्रकरण के जिम्मेदार सचिव को अभी भी बचाया जा रहा है

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

स्वरूपगंज। शिक्षा विभाग की ओर से मानक पूर्ण नही किए जाने पर स्वरूपगंज की आदर्श विद्या मंदिर उच्च प्राथमिक की मान्यता रद्द कर दी गई है। शिकायत मिलने पर विभाग द्वारा की गई जांच में शिकायत कर्ता के यह तथ्य सही पाए गए कि विद्यालय टीन शेड में संचालित हो रहा था। क्षेत्रफल, खेल सामग्री ,फर्नीचर, वाचनालय, पुस्तकालय , आदि भी मानदंडों के अनुरूप नहीं पाए गए। विभाग द्वारा की गई जांच में सभी तथ्यों के आधार पर इसकी मान्यता रद्द की गई।

वैसे यह विद्यालय जहा चल रहा है, वह पहले से ही विवादो के घेरे में है ।पिछले कई वर्षो से चल रहे इस प्रकरण में आदर्श विद्या मंदिर के सचिव की भूमिका काफी विवादास्पद रही है। एक विधवा की पूर्व खातेदारी और करीब 80 वर्षो से चले आ रहे कब्जे के बावजूद विद्यालय के सचिव पर उसे बेदखल करते हुए गैर कानूनी रूप से विद्यालय के लिए कब्जा करने का आरोप लगा। जिसे लेकर पीडति पक्ष द्वारा कानूनी कार्यवाही की गई। इस मामले में आदर्श विद्या मंदिर जैसी समर्पित संस्था की बदनामी भी हुई। इसके सचिव की भूमिका पर प्रबंधन समिति ने भी कोई संज्ञान नही लिया।